

अंक 7



कोट्टयम बीए की डिजिटल गृह पत्रिका

‘रश्मि’

2025

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय, कोट्टयम बीए



हिंदी पखवाडा समापन समारोह 2024



कवर पेयिंटिंग

कु.शिवानी बिपिन, सुपुत्री
श्री.बिपिन मोहन, कनिष्ठ इंजीनियर

संपादक मंडल

कोट्टयम बी ए की डिजिटल गृह पत्रिका

इस अंक में

हिंदी पखवाडा समापन समारोह 2024	2
संपादक की कलम से	4
संदेश- संरक्षक की कलम से	5
राजभाषा कार्यान्वयन पर एक नज़र	6
Culture of Integrity for nation's prosperity	8
राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति	11
अपना स्वदेशी 4 जी (कविता)	15
बीएसएनएल द्वारा दिए जानेवाले कुछ सेवाएं	16
हैदराबाद की यात्रा	20
प्रकृति की सुंदरता (कविता)	25
बढ़ते हुए आतंकवाद को रोकने का उपाय(निबंध)	26
राजभाषा	30
बढ़ते हुए आतंकवाद को रोकने का उपाय(निबंध)	31
एक सफल सपना	33
कुछ पहेलियाँ	36
एक उत्कृष्ट कर्मचारी कैसा होना चाहिए(लेख)	37
वार्षिक कार्यक्रम द्वारा निर्धारित लक्ष्य	38
दोस्त (कविता)	39
The call that never came(story)	40
കൂട്ടിയുദ്ധ (കഥ)	41
गुरु का महत्व	43
വീതത് (കവീത)	44
തുമ്പിയുടെ നിമിഷം	45
The Wind (Poem)	46
सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारी	47
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति	49
बीएसएनएल कोट्टयम के लिए पुरस्कार	50
हिंदी पखवाडा 2024 पुरस्कार वितरण	52
बच्चों / स्टाफ के पेयिंटिंग	53
Young Achievers	54

संरक्षक

श्री.जी. एन. होवाल, आईटीएस

प्रधान महाप्रबंधक, कोट्टयम बीए

उप संरक्षक

श्री जोमोन जोसफ

उपमहाप्रबंधक(नेटवर्क योजना)

श्री.रमेश.एस

उपमहाप्रबंधक (मुख्यालय)

श्रीमती.रिन्सी रोस टोम

उपमहाप्रबंधक(बिक्री और विपणन)

श्री.यू. एम. कृष्णनकुट्टी

आंतरिक वित्त सलाहकार

अध्यक्ष

श्री.टेनसण् जोसफ

सहायक महाप्रबंधक(प्रशासन)

तकनीकी सहाय

श्रीमती.दिव्या.एस

उपमंडल इंजीनियर(कंप्यूटर)

श्री.प्रशांत.के. पी.

कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी(कंप्यूटर)

संपादक

श्रीमती.गीता.जी. पी.

कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

संरक्षक की कलम से

प्रिय साथियों,

मुझे यकीन है कि हम सब सदैव इसके लिए तत्पर रहेंगे। गृह पत्रिका "रश्मि" का सातवां पुष्प पाठकों के सामने प्रस्तुत किये जाने पर मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। आप सब जानते हैं कि राजभाषा हिंदी के प्रचार एवं प्रसार हेतु हम प्रतिबद्ध हैं और, इसी के उपलक्ष में किये जाने वाले विभिन्न प्रयासों में गृह पत्रिका "रश्मि" का भी हमेशा से ही एक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अतः पिछले छह अंकों की तरह इस वर्ष प्रकाशित होनेवाला सातवां अंक भी इस दिशा में बड़ी भूमिका निभाएगा इसका मुझे पूरा भरोसा है।



संयोगवश, इसी वर्ष हम अपने प्रिय संगठन भारत संचार निगम लिमिटेड की रजत जयंती मना रहे हैं। बीते 25 वर्षों की उपलब्धियों पर हर्ष और उल्हास से भरा जश्न मनाने के साथ साथ, हमें अपने संगठन को आने वाले समय में सफलता एवं उत्कृष्टता के उच्चतम शिखर पर पहुँचाने के लिये कार्य करने की आवश्यकता है।

जिन लेखों, कविताओं, चित्रों, एवं चुटकुलों आदि से "रश्मि" को सजाया गया है उनके रचनाकारों, कवियों और संग्राहकों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

जी. एन. होवाल, आइटीएस
प्रधान महाप्रबंधक, दूरसंचार
कोट्टयम बी ए

साथियो,

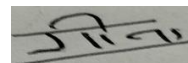
कोट्टयम बीए की डिजिटल गृह पत्रिका 'रश्मि' का सातवाँ आंक आपके सामने बहुत खुशी के साथ प्रस्तुत है। आपके सहयोग ही यह यात्रा को सफल रूप से आगे ले जा रहे हैं। बीएसएनएल ने अपने पच्चीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। भारत आत्मनिर्भरता और विकास की ओर बढ़ रहा है। हम दूरसंचार क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं। हमारे देश में विकसित 4जी अब आगे बढ़ रहा है। भविष्य में, यह तकनीकी विकास निश्चित रूप से हमें इस क्षेत्र में विदेशी व्यापार अर्जित करने में मदद करेगा। अपने संगठन की प्रगति के लिए कार्य करना हमारा कर्तव्य है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी 2025-26 के वार्षिक कार्यक्रम में हिंदी पत्राचार के निर्धारित लक्ष्य को बढ़ाकर 60% और फाइलों में हिंदी टिप्पण का प्रतिशत बढ़ाकर 35% कर दिया गया है। खुशी की बात है कि हमारे अधिकारीगण ई-फाइलों में हिंदी टिप्पण लिखना शुरू किए हैं।

कोट्टयम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से भारत सरकार की राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन और सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान के लिए कोट्टयम बीएसएनएल को 2024-25 के दौरान प्रथम पुरस्कार के लिए ट्रॉफी और प्रमाणपत्र मिले हैं। इस अवसर पर आप सभी को मैं आभार व्यक्त करती हूँ।

हमारे साथियों और उनके परिवारवालों द्वारा लिखे कहानी, कविता, यात्राविवरण, निबंध आदि इस में शामिल किए गए हैं। हिंदी का मान राष्ट्र का सम्मान है। मेरी प्रार्थना है कि राजभाषा हिंदी में काम करना अपना दायित्व समझें और राजभाषा नीति का अनुपालन करें।

आपका



गीता जी पी

कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

राजभाषा कार्यान्वयन पर एक नज़र

हिंदी आम लोगों की भाषा है यह पूरे देश में समझी जाती है, इसके साथ ही यह अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का माध्यम है। भाषा बहती हुई सरिता है, जिस तरह सरिता कई कंदराओं और पर्वतों से गुज़रती हुई आती है, वैसे ही भाषा 'पीढ़ी-दर-पीढ़ी' कई मुखों से गुज़रती हुई विकसित होती है। एक भाषा के रूप में हिंदी हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। भारत की संविधान सभा 1949 सितंबर 14 को हिंदी को हमारी राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग द्वारा हर साल राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगति लाने हेतु कुछ निर्धारित लक्ष्यों के साथ एक वार्षिक कार्यक्रम जारी कर रहे हैं। वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करना केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों, उपक्रमों, उद्यमों, बैंकों, संगठनों का दायित्व है। राजभाषा नीति का उद्देश्य है कि सरकारी कामकाज में सामान्यतः हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग हो।

राजभाषा नियम 1976 के अनुसार केरल 'ग' क्षेत्र के भाषाई इकाई में है। 'ग' के लिए वार्षिक कार्यक्रम 24-25 में पत्राचार के लिए निर्धारित लक्ष्य 55% और फाइलों /ई-फाइलों में टिप्पण के लिए 30% है। हमारे बीए ने इन लक्ष्यों की पूर्ति की गई है। हर तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक, हिंदी कार्यशाला आदि नियमित रूप में आयोजित कर रहे हैं। हमारे बीए के कंप्यूटरों में द्विभाषी सुविधा उपलब्ध है। वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित अन्य लक्ष्य जैसे पुस्तकों की खरीदी, कार्यालयी निरीक्षण आदि भी हासिल की गई है। राजभाषा नियमों के अनुपालन हेतु प्रत्येक मद के लिए संबंधित अधिकारियों को प्राधिकार कर जाँच बिंदु रखे गए हैं। हर साल हिंदी पखवाडा अनेक प्रतियोगिताओं के साथ आयोजित कर रहे हैं। हिंदी पखवाडे के अवसर पर गृह पत्रिका 'रश्मि' प्रकाशित कर रहे हैं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में हम उपस्थित कर रहे हैं और सभी कार्यकलापों में अपनी भूमिका निभाती हैं। कोट्टयम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से भारत सरकार की राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन और

सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान के लिए कोट्टयम बीएसएनएल को 2024-25 के दौरान प्रथम पुरस्कार के लिए ट्रॉफी और प्रमाणपत्र मिले हैं।



नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोट्टयम की ओर से भारत सरकार की राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन और सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान के लिए कोट्टयम बीएसएनएल को 2024-25 के दौरान प्राप्त प्रथम पुरस्कार के लिए राजभाषा ट्रॉफी श्रीमती रिन्सी रोस टोम, उपमहाप्रबंधक ने नराकास के अध्यक्ष एवं रबड बोर्ड के कार्यकारी निदेशक श्री वसंतगेशन आईआरएस से स्वीकार कर रहे हैं। प्रमाणपत्र श्री निर्मलकुमार दुबे, उपनिदेशक(कार्यान्वयन),कोची से श्री टेन्सण् जोसफ, सहायक महाप्रबंधक(प्रशासन) और श्रीमती गीता.जी.पी स्वीकार कर रहे हैं।

CULTURE OF INTEGRITY FOR NATION'S PROSPERITY

Integrity is the quality, a divine quality, of having strong moral principles and doing the right thing all the time according to one's consciousness. The integrity, at its core, is all about aligning one's actions with his values. It can increase energy, creativity, and purposefulness in a person or an institution.



Integrity is vital in building and maintaining credibility as well as trust. In the professional world these traits foster a positive culture in the workplace. In social place, the traits give one the confidence and security of being true to oneself. Once the Nation is formed of the citizens and the institutions, their integrity is the foundation for a Nation's success.

The Culture of Integrity of a Nation

A nation's prosperity, often measured in economic terms, is intricately tied to its cultural fabric. At the heart of this tapestry lies integrity, a moral compass that guides individuals and institutions toward ethical behaviour. A culture that prioritizes integrity is not merely a desirable aspiration but a fundamental prerequisite for sustainable economic growth and societal well-being.

It fosters trust, cooperation, and a sense of shared responsibility and in the context of a nation, it translates into honest governance, fair business practices, and a commitment to upholding the rule of law. This, in turn, creates a conducive environment for investment, innovation, and economic development and a culture of integrity.

How to nurture the culture of Integrity ?

The culture of integrity has to begin with education, Schools and Universities should instil the importance of honesty, fairness, and accountability in their students. We can cultivate a generation of citizens who are committed to upholding the highest standards of conduct by fostering a sense of ethical responsibility from a young age. The Nation has to promote ethical leadership in all spheres of society to the young generation whether it from government, business or from any layers of the society. The Leaders must set them as the powerful example of integrity for others to follow, inspiring trust and confidence.

Moreover, a culture of integrity requires strong institutions that uphold the rule of law. An independent judiciary, a transparent bureaucracy, and a free press are vital for ensuring that everyone is held accountable for their actions. When individuals and organizations know that they will face consequences for unethical behaviour, they are less likely to engage in dishonest or corrupt practices.

Building a culture of integrity is an ongoing process, but the benefits are undeniable. By prioritizing ethical leadership, compliance leaders and executives can empower employees to make ethical decisions, strengthens the organization's reputation, and promote long-term success. A culture of integrity fosters trust, accountability, and transparency and are essential elements for a country's growth and development.

Culture of Integrity in Public Governance

Integrity in public policies is the cornerstone of a system of sound public governance. It is vital to govern in the public interest and for the prosperity and well-being of society as a whole. The integrity in public policies strengthens the democratic process and reduces the risk of policy implementation. Integrity also promotes economic growth but cultivating a level playing field for business, helps reduce socio-economic inequalities, supports environmental sustainability goals. Furthermore, strengthening integrity and reducing corruption is critical for restoring trust in government.

As a core component of social morality and institutions, a culture of integrity is of great significance to social and economic development. In the context of globalisation and information technology, a culture of integrity is not only the cornerstone of a country's political stability and social harmony, but also an important guarantee for healthy economic development. Integrity culture advocates fairness, transparency and responsibility, which can effectively prevent the occurrence of corruption, optimise the allocation of resources, improve the operational efficiency of the government and enterprises, so as to create a good institutional environment for economic development.

Advantages of Cultural Integrity.

Trust : A culture of integrity can help build trust, which is essential for a country's growth and development. Trust is the foundation of credibility, and it's important for retaining employees and consumers.

Cooperation and innovation : A culture of integrity can create an environment that encourages cooperation and innovation, which can lead to economic growth and societal well being.

Ethical decision-making : Integrity can help people make ethical decisions, even in challenging situations.

Diversity : Integrity can encourage people to embrace diversity and recognize the value of different perspectives and experiences.

Transparency : Transparency is a key component of integrity, and it can help build trust, respect and credibility.

Impact of a Culture of Integrity on Nation's Prosperity

As an important part of social morality and institutions, the culture of integrity has had a profound and wide-ranging impact on social and economic development of a Nation. First of all, the existence of integrity can significantly improve efficiency of government governance, thereby promoting steady economic growth. When government officials abide by the principle of integrity, the allocation and use of public allocation and use of public resources will be more transparent and fair, reducing corruption and abuse of

power. Transparent and efficient government operations make the decision-making process more scientific and rational, and the allocation of resources more rational, avoiding the waste of resources and inefficiency caused by corruption.

A culture of integrity plays a key role in the enhancement of social trust. Social trust is one of the important cornerstones of economic development, while a culture of integrity enhances public trust in the government and social system by advocating fairness, justice and openness and transparency. At the same time, the culture of integrity can reduce social contradictions and conflicts, enhance social cohesion, and create a stable social environment for the orderly conduct of economic activities. The lack of clean culture has an extremely negative impact on social and economic development. Corrupt behaviour not only undermines the credibility of the government, but also leads to a serious waste of resources and unfair distribution. Corruption allows public funds to flow into the private pockets of a few rather than being used for public social services and infrastructure development, which will undermine the overall well-being of society and economic development.

The establishment and maintenance of a clean culture is a complex and long-term process that requires the joint efforts of the whole nation. The Government should establish a sound anticorruption mechanism by improving legislation, strictly enforcing the law, and strengthening the supervision. At the same time, all sectors of Nation should strengthen integrity education and cultivate citizen's awareness of integrity and the rule of law, and from a social atmosphere and advocates integrity opposes corruption. Only with the joint efforts the whole society and Government, the culture of integrity can be deeply rooted in people's hearts and become the mainstream value of the society, and truly promote the sustained and healthy development of the society and economy of the Nation.

Conclusion

In conclusion, a culture of integrity is vital for a nation's prosperity. By embracing integrity, we create a fair and just society. Leaders must set examples, institutions must promote accountability, and citizen must demand transparency. Enhanced citizen's sense of integrity and social responsibility, the culture of integrity can be more deeply rooted and form a good atmosphere for all people to participate in the fight against corruption and join hands to build a brighter future.

(Essay won first prize during the competition held in connection with the Vigilance Awareness Week 2024)

Venu.A.V
Assistant General Manager (IM)
Kanjirappally.

राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति

ईमानदारी एक ऐसा गुण है, एक दिव्य गुण, जिसमें मज़बूत नैतिक सिद्धांत होते हैं और हर समय अपनी चेतना के अनुसार सही काम करना होता है। ईमानदारी, अपने मूल में, अपने कार्यों को अपने मूल्यों के साथ संरेखित करने के बारे में है। यह किसी व्यक्ति या संस्था में ऊर्जा, रचनात्मकता और उद्देश्यपूर्णता को बढ़ा सकता है।

विश्वसनीयता और विश्वास बनाने और उसे बनाए रखने में ईमानदारी बहुत ज़रूरी है। पेशेवर दुनिया में गुण कार्यस्थल पर सकारात्मक संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। सामाजिक स्थान पर, ये गुण व्यक्ति को खुद के प्रति सच होने का आत्मविश्वास और सुरक्षा देते हैं। एक बार जब नागरिकों और संस्थानों से राष्ट्र का निर्माण हो जाता है, तो फनकी ईमानदारी राष्ट्र की सफलता की नींव होती है।

राष्ट्र की अखंडता की संस्कृति

किसी राष्ट्र की समृद्धि, जिसे अक्सर आर्थिक दृष्टि से मापा जाता है, उसके सांस्कृतिक ताने-बाने से जटिल रू से जुड़ी होती है। इस ताने-बाने के केंद्र में अखंडता है, एक नैतिक दिशासूचक जो व्यक्तियों और संस्थाओं को नैतिक व्यवहार की ओर ले जाता है। अखंडता को प्राथमिकता देनेवाली संस्कृति न केवल एक वांछनीय आकांक्षा है, बल्कि सतत आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के लिए एक बुनियादी शर्त है।

यह विश्वास, सहयोग और साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है और एक राष्ट्र के संदर्भ में, यह ईमानदार शासन, निष्पक्ष व्यावसायिक प्रथाओं और कानून के शासन को बनाए रखने की प्रतिबद्धता में तब्दील हो जाता है। यह बदले में, निवेश, नवाचार और आर्थिक विकास और ईमानदारी की संस्कृति के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है।

ईमानदारी की संस्कृति को कैसे बढ़ावा दिया जाए ? ईमानदारी की संस्कृति की शुरुआत शिक्षा से होनी चाहिए, स्कूलों और विश्वविद्यालयों को अपने छात्रों में ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही के महत्व को स्थापित करना चाहिए। हम नागरिकों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं जो छोटी उम्र से ही नैतिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देकर आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राष्ट्र को युवा पीढ़ी को समाज के सभी क्षेत्रों में नैतिक नेतृत्व को बढ़ावा देना चाहिए, चाहे वह सरकार, व्यवसाय या समाज के किसी भी स्तर से हो। नेताओं को दूसरों के अनुसरण के

लिए ईमानदारी के शक्तिशाली उदाहरण के रूप में खुद को स्थापित करना चाहिए, जिससे विश्वास और आत्मविश्वास प्रेरित हो।

इसके अलावा, ईमानदारी की संस्कृति के लिए मज़बूत संस्थानों की आवश्यकता होती है जो कानून के शासन को बनाए रखते हैं। एक स्वतंत्र न्यायपालिका, एक पारदर्शी नौकरशाही और एक स्वतंत्र प्रेस यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि हर किसी को अपने कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए। जब व्यक्तियों और संगठनों को पता होता है कि उन्हें अनैतिक व्यवहार के लिए परिणाम भुगतने होंगे, तो उनके बेईमान या भ्रष्ट व्यवहार में शामिल होने की संभावना कम होती है। ईमानदारी की संस्कृति का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है, लेकिन इसके लाभ निर्विवाद हैं। नैतिक नेतृत्व को प्राथमिकता देकर, अनुपालन करनेवाले नेता और अधिकारी कर्मचारियों को नैतिक निर्णय लेने के लिए सशक्त बना सकते हैं, संगठन की प्रतिष्ठा को मज़बूत कर सकते हैं और दीर्घकालिक सफलता को बढ़ावा दे सकते हैं। ईमानदारी की संस्कृति विश्वास, जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ावा देती है और देश की वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक तत्व हैं।

लोक प्रशासन में ईमानदारी की संस्कृति

सार्वजनिक नीतियों में ईमानदारी, सुदृढ़ लोक प्रशासन की प्रणाली की आधारशिला है। सार्वजनिक हित में तथा समग्र रूप से समाज की समृद्धि और कल्याण के लिए शासन करना महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक नीतियों में ईमानदारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मज़बूत करती है तथा नीति कार्यान्वयन के जोखिम को कम करती है। ईमानदारी आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है, लेकिन व्यापार के लिए समान अवसर पैदा करती है, सामाजिक -आर्थिक असमानताओं को कम करने में मदद करती है, पर्यावरणीय स्थिरता लक्ष्यों का समर्थन करती है। इसके अलावा, ईमानदारी को मज़बूत करना तथा भ्रष्टाचार को कम करना सरकार में विश्वास बहाल करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सांस्कृतिक अखंडता के लाभ

विश्वास : अखंडता की संस्कृति विश्वास का निर्माण करने में मदद कर सकती है, जो किसी देश की वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक है। विश्वास विश्वसनयता की नींव है, और यह कर्मचारियों और उपभोक्ताओं को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

सहयोग और नवाचार : अखंडता की संस्कृति एक ऐसा वातावरण बना सकती है जो सहयोग और नवाचार को प्रोत्साहित करती है, जिससे आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण हो सकता है।

नैतिक निर्णय लेना : अखंडता लोगों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी नैतिक निर्णय लेने में मदद कर सकती है।

विविधता : अखंडता लोगों को विविधता को अपनाने और विभिन्न दृष्टिकोणों और अनुभवों के मूल्य को पहचानने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है।

पारदर्शिता : पारदर्शिता अखंडता का प्रमुख धटक है, और यह विश्वास, सम्मान और विश्वसनीयता बनाने में मदद कर सकती है।

राष्ट्र की समृद्धि पर ईमानदारी की संस्कृति का प्रभाव

सामाजिक नैतिकता और संस्थाओं के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में, ईमानदारी की संस्कृति का राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक विकास पर गहरा और व्यापक प्रभाव पड़ा है। सबसे पहले, ईमानदारी का अस्तित्व सरकारी शासन की क्षमता में काफी सुधार कर सकता है, जिससे स्थिर आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। जब सरकारी अधिकारी ईमानदारी के सिद्धांत का पालन करते हैं, तो सार्वजनिक आबंटन और सार्वजनिक संसाधनों का उपयोग अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष होगा, जिससे भ्रष्टाचार और सत्ता का दुरुपयोग कम होगा। पारदर्शी और कुशल सरकारी संचालन निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और तर्कसंगत बनाता है, और संसाधनों का आबंटन अधिक तर्कसंगत बनाता है, और संसाधनों का आबंटन अधिक तर्कसंगत बनाता है, जिससे भ्रष्टाचार के कारण संसाधनों की बर्बादी और अक्षमता से बचा जा सकता है।

ईमानदारी की संस्कृति सामाजिक विश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सामाजिक विश्वास आर्थिक विसाक के महत्वपूर्ण आधारशिलाओं में से एक है, जबकि ईमानदारी की संस्कृति निष्पक्षता, न्याय और खुलेपन और पारदर्शिता की वकालत करके सरकार और सामाजिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को बढ़ाती है। साथ ही, ईमानदारी की संस्कृति सामाजिक विरोधाभासों और संघर्षों को कम कर सकती है, सामाजिक सामंजस्य को बढ़ा सकती है और आर्थिक गतिविधियों के व्यवस्थित संचालन के लिए एक स्थिर सामाजिक वातावरण बना सकती है। स्वच्छ संस्कृति की कमी का सामाजिक और आर्थिक विकास पर बेहद नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। भ्रष्ट व्यवहार न केवल सरकार की विश्वसनीयता को कम करता है, बल्कि संसाधनों की गंभीर बर्बादी और अनुचित वितरण को भी बढ़ावा देता है। भ्रष्टाचार सार्वजनिक धन को सार्वजनिक सामाजिक सेवाओं और बुनियादी ढाँचे विकास के लिए उपयोग किए जाने के बजाय कुछ लोगों की निजी जेबों में जाने देता है जो समाज और आर्थिक विकास की भलाई को कमजोर करेगा।

स्वच्छ संस्कृति की स्थापना और रखरखाव एक जटिल और दीर्घकालिक प्रक्रिया है जिसकेलिए पूरे देश के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। सरकार को कानून में सुधार करके, कानून को सख्ती से लागू करके और पर्यवेक्षण को मज़बूत करके एक मज़बूत भ्रष्टाचार विरोधी तंत्र स्थापित करना चाहिए। साथ ही, राष्ट्र के सभी क्षेत्रों को ईमानदारी की शिक्षा को मज़बूत करना चाहिए और नागरिकों में ईमानदारी और कानून के शासन के बारे में जागरूकता पैदा करनी चाहिए, और एक सामाजिक माहौल से ईमानदारी की वकालत करनी चाहिए और भ्रष्टाचार का विरोध करना चाहिए। पूरे समाज और सरकार के संयुक्त प्रयासों से ही ईमानदारी की संस्कृति लोगों के दिलों में गहराई से जड़ें जमा सकती है और समाज का मुख्यधारा का मूल्य बन सकती है, और वास्तव में समाज और राष्ट्र की अर्थव्यवस्था के निरंतर और स्वस्थ विकास को बढ़ावा दे सकती है।

निष्कर्ष

अंत में, ईमानदारी की संस्कृति किसी राष्ट्र की समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। ईमानदारी को अपनाकर हम एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण कर सकते हैं। नेताओं को उदाहरण स्थापित करने चाहिए, संस्थाओं को जवाबदेही को बढ़ावा देना चाहिए और नागरिकों को पारदर्शिता क मांग करनी चाहिए। नागरिकों की ईमानदारी और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाकर, ईमानदारी की संस्कृति को और अधिक गहराई से स्थापित किया जा सकता है और सभी लोगों के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में भाग लेने और एक उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए हाथ मिलाने के लिए एक अच्छा माहौल बनाया जा सकता है।

वेणु ए.वी
सहायक महाप्रबंधक,
कांजिरप्पल्ली

(सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के अवसर पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त लेख का अनुवाद)

‘ हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है ’। कमलापति त्रिपाठी

अपना स्वदेशी 4 जी

बीएसएनएल का 4जी
हमारे अपने देश में बना,
मेक इन इंडिया का हिस्सा,
देश की ताकत का निशान।

अब गांव और शहर
दोनों में चलेगा तेज इंटरनेट,
लोग आसानी से जुड़ पाएंगे,
कॉल भी साफ सुनाई देगी।

ये नेटवर्क हमारा है,
किसी और देश से लिया नहीं,
बीएसएनएल का स्वदेशी 4जी -
कनेक्टिंग भारत, सच्ची पहचान।



शरत टी मट्टम

कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, आईएम पाला
बीएसएनएल कोर्टयम



श्री बालकृष्णशर्मा नवीन कवि होने के साथ ही एक राजनैतिक नेता भी थे। उनकी कुछ कविताओं में व्यक्तिगत प्रेम की प्यास है, तो कुछ में राष्ट्रप्रेम और विप्लव का उन्माद झलकता है। प्रगतिवादी साहित्य की समृद्धि में आपने अच्छा योगदान दिया है। आपने अपनी कविताओं में सरल भाषा तथा सुबोध शैली को अपनाया है। उर्मिला उनका प्रशंसित प्रबंध काव्य है। कुंकुम, रश्मिरेखा, अपलक, क्वासि उनके प्रमुख काव्य संग्रह हैं। साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में अप्रतिम योगदान के लिए भारत सरकार ने वर्ष 1960 में उन्हें 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया।

बीएसएनएल, भारत सरकार के प्रमुख उद्यम, द्वारा दिए जानेवाले कुछ सेवाएं

बीएसएनएल ने हमारे सम्मानित ग्राहकों की सेवा आवश्यकताओं को सहयोग और समन्वय को सुगम बनाने के लिए एकल-खिडकी ग्राहक संबंध प्रबंधन और ज्ञान-साझाकरण के माध्यम से दूरसंचार आवश्यकताओं को पूरा करता है। भारत का सबसे विश्वसनीय दूरसंचार ब्रांड, बीएसएनएल, ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी और व्यापक क्षेत्र मोबाइल कवरेज के माध्यम से हमारे विशाल देश के कोने-कोने में विभिन्न विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करता है। बीएसएनएल मजबूत और सुरक्षित दूरसंचार सेवाएं प्रदान करता है। हमारे कुछ एंटरप्राइज़ उत्पाद निम्नलिखित हैं।

1. इंटरनेट लीज्ड लाइन (ILL) - यह कॉर्पोरेट संस्थाओं और विशिष्ट अनुकूलित आवश्यकताओं के लिए एक समर्पित इंटरनेट कनेक्टिविटी है। यह आमतौर पर इंजीनियरिंग कॉलेजों, अस्पतालों, रिसॉर्ट्स और होटलों, कॉर्पोरेट मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों जैसे संस्थानों के लिए प्रदान की जाती है, जिन्हें सुरक्षित और विश्वसनीय इंटरनेट के साथ लगातार लाइन में रहने की आवश्यकता होती है। ILL के लिए कोई निश्चित टैरिफ नहीं है क्योंकि यह सेवा की बैंड चौड़ाई वर्ग पर निर्भर करता है।
2. पॉइंट टू पॉइंट लीज्ड लाइन (P2P) - दो स्थानों (अर्थात मुख्यालय और शाखा कार्यालयों) के बीच पॉइंट टू पॉइंट कनेक्टिविटी। यह बैंकों, एसएमई, स्थानीय सहकारी समितियों, वित्तीय संस्थानों और विभिन्न स्थानों पर शाखाओं वाले फर्मों के लिए आदर्श है। इस सेवा की दर बैंड की चौड़ाई और स्थानों के बीच भौतिक दूरी पर निर्भर करती है।
3. MPLS लीज्ड लाइन (MPLS VPN) यह केएसईबी, एसबीआई और अन्य बैंकों जैसे संस्थानों के लिए उपयुक्त है।

4. पीआरआई लाइनें - एक नंबर से लेकर अधिकतम 30 चैनलों/एक्सटेंशन तक के लिए प्राथमिक दर इंटरफ़ेस।

5. एसआईपी ट्रंक - यह एक बहु-चैनल है जिसमें एक्सटेंशन की कोई सीमा नहीं है और यह कॉल सेंटर, अस्पताल, बैंक, रिसॉर्ट और होटल, वाणिज्यिक संस्थाएं, एमएसएमई और शैक्षणिक संस्थानों के लिए उपयुक्त है। एसआईपी एंटरप्राइज़ ग्राहकों को मल्टीमीडिया टेलीफोनी क्षमताएं प्रदान करता है, वैश्विक पहुंच प्रदान करता है और एंटरप्राइज़ ग्राहकों के लिए सभी आईपी डिजिटल परिवर्तन में मूल्य जोड़ता है। यह उच्च समवर्ती कॉल का समर्थन करता है। एसआईपी कॉल सेंटर, मल्टी कॉन्फ्रेंस, आईवीआर समाधानों की सेवा प्रदान करता है। यह सेवा सभी बाजार खंडों जैसे टेलीमार्केटर्स, कॉल सेंटर, बैंकिंग, सरकारी संगठन, ग्राहक सहायता केंद्र आदि को दी जा सकती है, जिसे वॉयस और डेटा उपकरणों के साथ बंडल किया जा सकता है।

6. आईएसडीएन पीआरआई - एक आईएसडीएन पीआरआई ग्राहक एक ही कनेक्शन पर एक साथ 30 स्वतंत्र कॉल स्थापित कर सकता है यह आमतौर पर इंजीनियरिंग कॉलेजों, अस्पतालों, रिसॉर्ट्स और होटलों, कॉर्पोरेट मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों जैसे संस्थानों के लिए प्रदान किया जाता है, जिन्हें लगातार सुरक्षित और विश्वसनीय इंटरनेट के साथ लाइन में रहने की आवश्यकता होती है। आईएलएल के लिए कोई निश्चित टैरिफ नहीं है क्योंकि यह सेवा की बैंडविड्थ श्रेणी पर निर्भर करता है।

7. क्लाउड सेवाएँ - बीएसएनएल ने एंटरप्राइज़ श्रेणी का सार्वजनिक क्लाउड प्लेटफॉर्म स्थापित किया है और कई केंद्रीय/राज्य सरकारी विभागों/प्रतिष्ठानों को सेवा के रूप में अवसंरचना (IaaS) प्रदान करता है। ये ऐसे स्थान हैं जहाँ बड़ी मात्रा में डेटा एकत्रित, संसाधित और एक्सेस किया जाता है। उच्चतम स्तर के परिचालन प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए डेटा केंद्रों को अतिरिक्त बिजली आपूर्ति, वातानुकूलन और सुरक्षा प्रणालियाँ प्रदान की जाती हैं।

8. बल्क पुश एसएमएस - सभी संदेश डीएलटी (डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी) प्लेटफॉर्म के माध्यम से भेजे जा रहे हैं। अनिवार्य इकाई डीएलटी पंजीकरण बीएसएनएल के माध्यम से किया जा सकता है। यह सेवा बैंकों, वित्तीय संस्थानों, सहकारी समितियों, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए उपयुक्त है। 6 महीने की अवधि के लिए 9000 एसएमएस के लिए केवल 1000/- रुपये की राशि की आवश्यकता है।

9. मोबाइल सीयूजी - बीएसएनएल पूरे भारत में अपने सभी प्रीपेड और पोस्टपेड ग्राहकों को क्लोज्ड यूज्ड ग्रुप प्लान प्रदान करता है। सीयूजी किसी विशेष सीयूजी के सदस्यों के बीच बिल्कुल मुफ्त कॉल की अनुमति देता है।

10. OBD और प्रीमियम रिंग बैक टोन- ग्राहक सेवा प्रबंधन के एक नए तरीके के रूप में, संग्रह, नवीनीकरण, भुगतान या शुभकामना संदेश, घोषणाएँ और अपडेट, अभियान आदि के लिए अनुस्मारक से संबंधित ध्वनि नमूने ग्राहकों के मोबाइल/लैंडलाइन नंबरों पर प्रसारित किए जा सकते हैं। यह बैंकों, सहकारी समितियों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, मॉल आदि के लिए एक उपयोगी सेवा है। प्रीमियम रिंग बैक टोन सेवा के माध्यम से ग्राहक अपने लैंडलाइन के साथ-साथ मोबाइल फोन के लिए भी अनुकूलित रिंग बैक टोन सेट कर सकते हैं। वर्तमान में OBD (आउटबाउंड डायलिंग) के लिए प्रत्येक कॉल के लिए केवल 50 पैसे का शुल्क लिया जाता है।

11. M2M/IOT (मशीन टू मशीन) - इस सेवा का उपयोग GPS ट्रैकिंग, वाहन स्वचालन, उद्योग स्वचालन आदि के लिए किया जा सकता है। केवल SMS और डेटा, कोई ध्वनि कॉल और कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं।

12. VPNoBB/VPNoFTTH- यह सूक्ष्म/लघु उद्योगों के लिए एक लागत प्रभावी VPN समाधान है, जहाँ पारंपरिक ब्रॉडबैंड/FTTH कनेक्शन पर ग्राहक के लिए विशेष रूप से एक वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क बनाया जाता है। यह कई शाखाओं वाले छोटे उद्योगों, अस्पतालों, रिसॉर्ट्स आदि के लिए उपयोगी है।

13. टोल-फ्री सेवाएँ- टोल-फ्री नंबर (11 अंकों का नंबर 1800-XYZ-ABCD)

किसी व्यावसायिक फर्म की दृश्यता और पहुँच को बेहतर बनाने में मदद करता है। सभी शुल्क सेवा ग्राहक पर लागू होते हैं। कॉल करने वाले उपयोगकर्ता के लिए यह सेवा निःशुल्क है।

ये बीएसएनएल द्वारा सम्मानित ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली सामान्य सेवाएं हैं। हमारी विशेषताएं हैं सुरक्षित नेटवर्क, व्यापक पहुंच, पारदर्शी बिलिंग, कस्टम मेड समाधान, सर्वोत्तम मूल्य निर्धारण, विश्वसनीय सेवा और एकल संपर्क बिंदु।



कोट्टयम ई बी टीम द्वारा तैयार किए गए लेख - श्री.अन्सल मोहम्मद.सी.एच, श्री.श्रीजित.सी.वी, श्रीमती.धन्या.पी बाबु, श्री.सुरजित.डी.शशि और श्री.एबी एब्रहाम

क्या आप जानते हैं-

हिंदी शब्द	मलयालम अर्थ	हिंदी अर्थ
1. अनुवाद	അനുവാദം	പരിഭാഷ
2. अवधि	ലീവ്	കാലാവധി
3. उपन्यास	ഉപന്യാസം	നോവൽ
4. कलम	കലം	പേന
5. चरित्र	ചരിത്രം	സ്വഭാവം

हैदराबाद की यात्रा

पिछले साल, हमारी ओणम की छुट्टियाँ 13/09/2024 को शुरू हुईं। 14/09/2024 को, हमने अपनी दादी के घर पर एक स्वादिष्ट ओणम सद्या खाया। दोपहर को ज़रूरी सामान पैक करने के बाद, मेरे माता-पिता, दो भाई और मैं, सड़क मार्ग से एरणाकुलम के लिए हुए।

पहला दिन - यात्रा शुरू (15/9/2024)

हम रात 1 बजे कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, नेडुम्बाशशेरी पहुँचे। इस बार हमारा गंतव्य हैदराबाद, तेलंगाना था - झीलों और मोतियों का शहर। यह भारत

के सबसे प्रसिद्ध शहरों में से एक है। हमारी उड़ान एक कनेक्टिंग फ्लाइट थी- कोच्चि से बेंगलूरु और फिर बेंगलूरु से हैदराबाद। हमारी उड़ान सुबह 5 बजे की थी, और लंबे इंतज़ार के बाद, हम आखिरकार विमान में सवार हुए। यह 45 मिनट की उड़ान थी।

जल्द ही हम आसमान में थे और खिड़की के बाहर एक अद्भुत नज़ारा देख रहे थे, जैसे सूरज बादलों के बीच से झाँक रहा हो और आसमान को रंगीन रंगों से रंग रहा हो। सुबह 6 बजे हम बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुँचे। यह नज़ारा बेहद खूबसूरत था! भारत के गार्डन सिटी के नाम से मशहूर बेंगलूरु ने अपनी खूबसूरती से हमारा स्वागत किया। हवाई अड्डे का अंदरूनी हिस्सा बेहद खूबसूरत था, जहाँ पेड़-पौधे मानो ऊपर तैर रहे हों।

हमारी अगली उड़ान सुबह 7.45 बजे की थी और यह एक घंटे की यात्रा थी। हम हवाई अड्डे से तेज़ी से गुज़रे, इधर-उधर की झलकियाँ देखते रहे और रास्ते में विमान में चढ़ने से पहले एक खूबसूरत झरने का नज़ारा भी किया। इस बार थकान की वजह से हमें नींद आ गई और जब हम उठे तो हमें एहसास हुआ कि हम उतरने वाले हैं। सुबह 9 बजे हम हैदराबाद के राजीव गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुँचे। दिन गर्म और धूप वाला था। हमने बहुत कुछ करने की योजना बनाई थी! टैक्सी लेने, नाश्ता करने और सिकंदराबाद के पैराडाइज़ सर्कल में अपने ठहरने



कुमारी फातिमा तहानिया. सी. एच, कक्षा ix एस एच स्कूल चंगनाशशेरी श्री.अन्सल मोहम्मद.सी. एच, उपमंडल इंजीनियर की सुपुत्री

के लिए चेक-इन करने के बाद, हमने दोपहर का भोजन किया - प्रसिद्ध हैदराबादी बिरियानी, जो अपने मसालेदार और लज़ीज़ स्वाद के लिए जानी जाती है।

इसके बाद, हम हैदराबाद के एक प्रमुख आकर्षण हुसैन सागर झील गए, जिसकी गहराई 32 फीट है। यह दिल के आकार की मानव निर्मित झील है, जो एशिया की सबसे बड़ी झीलों में से एक है, जिसके केंद्र में बुद्ध की एक मूर्ति है, जिसे 200 मूर्तिकारों ने दो वर्षों में पूरी तरह से सफेद ग्रेनाइट पत्थर से गढ़ा है। इसके बाद, हम नेकलेस रोड के पास झील के दक्षिणी छोर पर स्थित लुम्बिनी पार्क गए। हमने झील में नौका विहार किया, जो हमें बुद्ध की मूर्ति तक ले गया। लुम्बिनी पार्क तेलंगाना सचिवालय के सामने स्थित है - एक बड़ी सफेद इमारत जिस पर राष्ट्रीय ध्वज और संविधान धारण किए हुए डॉ. बी. आर. अंबेडकर की एक मूर्ति है।

नौकायन के बाद, हम लेज़र शो देखने गए। जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ, बारिश शुरू हो गई और हम भीग गए। लेकिन थोड़ी देर बाद बारिश रुक गई और हमने बाकी शो का आनंद लिया। इसके बाद, हमने अपने ठहरने की जगह पर वापस जाने का फैसला किया। चूँकि उस दिन गणेश चतुर्थी थी, इसलिए हर जगह भारी ट्रैफ़िक, तेज़ संगीत, गाने और घोषणाएँ बज रही थीं।

हम सचिवालय के रास्ते पैदल चले, एक ऑटो बुलाया और होटल पैराडाइज़ में रात का खाना खाया। हमने ईरानी चाय पी और फिर टेकअवे ऑर्डर करके अपने होटल लौट आए।

इस तरह हैदराबाद में हमारा पहला दिन समाप्त हुआ।

दिन 2 - मकबरे, किले और महल (16/9/2024)

हम सुबह जल्दी उठे और 10:30 बजे कुतुब शाही मकबरे के लिए निकल पड़े। ये मकबरे और मस्जिदें कुतुब शाही वंश के राजाओं द्वारा बनवाई गई थीं, जिन्होंने हैदराबाद पर 170 से ज़्यादा वर्षों तक शासन किया था। ये मकबरे हैदराबाद के सबसे पुराने ऐतिहासिक स्मारकों में से हैं और इनमें राजवंश की सात पीढ़ियों के अवशेष मौजूद हैं।

ये मकबरे भव्य, नक्काशीदार स्मारक हैं जो सुंदर बगीचों के बीच स्थित हैं - गोलकुंडा सुल्तानों के शानदार मकबरे। एक मकबरे से हम गोलकुंडा किले को देख सकते थे, जो हमारा अगला पड़ाव था। गोलकुंडा किला विशाल चट्टानों और शिलाखंडों से बना मास्टरपीस है। दुर्भाग्य से, कई पर्यटकों ने इन पत्थरों पर अपने

नाम खुदवाए हैं। किले में कई सीढ़ियाँ हैं, और सबसे ऊपर एक मंदिर है। हीरे की खदानों, खासकर कोल्लूर खदान, से अपनी निकटता के कारण, गोलकुंडा बड़े हीरों के व्यापार केंद्र के रूप में फला-फूला, जिसे अब गोलकुंडा डायमंड्स के नाम से जाना जाता है। यह किला वर्तमान में परित्यक्त और आंशिक रूप से खंडहर अवस्था में है। ऊपर तक हजारों सीढ़ियाँ चढ़ना थका देने वाला था, लेकिन नज़ारा देखने लायक था - हम पूरा हैदराबाद देख सकते थे। यह वास्तव में एक खूबसूरत जगह थी। सभी गोलकुंडा किला जरूर देखना चाहिए।

इसके बाद, हम चौमहल्ला पैलेस गए, जो हैदराबाद के निज़ामों का निवास स्थान था। यह एक विशाल महल है जो कई एकड़ में फैला है, जिसके सामने एक पानी का कुंड है। अंदर, हमने निज़ामों, उनके दरबारियों और परिवारों के चित्र देखे। वहाँ कई चीनी कलाकृतियाँ, जापान, फ्रांस, इंग्लैंड के बर्तन और खूबसूरत कपड़े और फैब्रिक थे।

यह महल आसफ जाही वंश के दौरान सत्ता का केंद्र था। हमने निज़ामों द्वारा ब्रिटेन से आयातित पुरानी कारों का एक संग्रह भी देखा, जिनमें रोल्स-रॉयस मॉडल भी शामिल थे। "चौमहल्ला" शब्द का अर्थ है "चार महल"। **खिलवत मुबारक**, महल का हृदय स्थल है जहाँ निज़ाम अपने दरबार और समारोह आयोजित करते थे। खिलाफत घड़ी के नाम से प्रसिद्ध घंटाघर 1750 से चल रहा है। यह संग्रहालय हैदराबाद की उत्पत्ति और विकास तथा राज्य के विकास में निज़ामों के योगदान को प्रदर्शित करता है। इसके बाद, हम शाम 6 बजे के शो के लिए हैदराबाद स्थित बिड़ला तारामंडल गए। यह मंत्रमुग्ध कर देने वाला था - अनुभव का एक बिल्कुल नया स्तर। जी. पी. बिर्ला द्वारा अपने पिता बी. एम. बिड़ला की स्मृति में निर्मित इस परिसर में एक डायनासोर संग्रहालय, विज्ञान केंद्र और कला दीर्घा भी है।

डायनासोरियम में एक विशाल डायनासोर का कंकाल, जीवाश्म अंडे, अम्मोनाइट (समुद्री घोंघे) और बहुत कुछ प्रदर्शित किया गया था। विज्ञान केंद्र में इंटरैक्टिव प्रदर्शनियाँ और आकर्षक प्रयोग थे। जैसे ही हम बाहर निकले, शहर का क्षितिज रोशनी से जगमगा उठा - दूसरे दिन का एक खूबसूरत अंत।

तीसरा दिन - रामोजी फिल्म सिटी (17/9/2024)

सुबह 8.45 बजे, हम रामोजी फिल्म सिटी देखने के लिए निकले, जो 2000 एकड़ से ज़्यादा में फैला दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म स्टूडियो होने का गिनीज

वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक है। स्वर्गीय श्री रामोजी राव द्वारा निर्मित इस फिल्म सिची में 3000 से ज़्यादा फ़िल्मों की शूटिंग हो चुकी हैं।

वहाँ कई तरह के मज़ेदार अनुभव हुए - अंतरिक्ष यात्रा, फिल्म निर्माण, वाइल्ड वेस्ट स्टंट शो, यूरेका, फंडुस्तान, द स्पिरिट ऑफ़ रामोजी, लाइट्स, कैमरा, एक्शन , और भी बहुत कुछ। हमने बाहुबली फिल्म का सेट, पक्षियों और तितलियों वाले बगीचे, नक्काशीदार फव्वारे देखे और एक छोटा सा विश्व भ्रमण किया। हमने हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, जेलों, उत्तरी और दक्षिणी कस्बों, यूरोपीय सड़कों वगैरह के सेट देखे। हमने यह भी देखा कि फिल्मों में किरदारों को डिज़ाइन करने के लिए वर्चुअल अपहरणकर्ताओं और मोशन सेंसर्स का इस्तेमाल कैसे किया जाता है। यह वास्तव में दुनिया के बाहर का एक अनोखा अनुभव था - ऐसा अनुभव जो हर किसी की जीवनकाल में जो पूरा करना चाहता है, यानि इच्छा सूची में होना चाहिए! हमने पूरा दिन घूमने में बिताया और तीसरे दिन का अंत धमाकेदार तरीके से किया।

दिन 4 - चिड़ियाघर और चारमीनार (18/9/2024)

हम नेहरू प्राणी उद्यान गए और दोपहर 2 बजे पहुँचे। चिड़ियाघर 380 एकड़ में फैला है और पैदल लगभग 6-7 घंटे लगते हैं, लेकिन हमने बैटरी से चलने वाले वाहनों का विकल्प चुना और 2-3 घंटे में पूरी यात्रा पूरी कर ली। हमने शेर, दरियाई घोड़े, गैंडे, भालू, हिरण, जिराफ़, सरीसृप, निशाचर जानवर और कई पक्षी देखे। प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह एक दर्शनीय स्थल है।

शाम होते-होते, हम हैदराबाद के प्रतीक चारमीनार गए। इसका निर्माण कुतुब शाही वंश के पाँचवें शासक ने करवाया था। इसके चारों ओर के चार मेहराबों को चार कमान कहा जाता है: काली कमान, मछली कमान, शेर-ए-बतिल कमान और चारमीनार कमान।

चारमीनार के आसपास लाड बाज़ार है, जो चूड़ियों और हार के लिए प्रसिद्ध है। हमने चाबी के छल्ले और गहनों सहित कई स्मृति चिन्ह खरीदे। पास ही मक्का मस्जिद है, जो इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल मक्का से लाई गई मिट्टी से बनी है। अगले दिन मिलाद-ए-नबी थी, बाज़ार बंद होने वाले थे। हमने एक और बार मस्जिद का चक्कर लगाया और अपने ठहरने की जगह पर लौट आए।

दिन 5 - संग्रहालय और आधुनिक हैदराबाद (19/9/2024)

आज का गंतव्य भारत के सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक, सालार जंग संग्रहालय था। इसकी स्थापना 1951 में हुई थी और इसमें दुनिया भर से सालार जंग परिवार के दुर्लभ संग्रह संग्रहित हैं।

यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा संग्रहालय है और प्राचीन वस्तुओं के दुनिया के सबसे बड़े एकल-व्यक्ति संग्रहों में से एक के लिए जाना जाता है। इसके मुख्य आकर्षण हैं वेल्ड रेबेका और घड़ी। इस घड़ी में एक लघु लोहार है जो हर घंटे घंटी बजाने के लिए आता है। वेल्ड रेबेका एक संगमरमर की मूर्ति है जो कपड़े में लिपटी हुई प्रतीत होती है - मूर्तिकला में एक उत्कृष्ट कृति।

संग्रहालय में 42,000 से अधिक कलाकृतियाँ, 9,000 पांडुलिपियाँ और 60,000 मुद्रित पुस्तकें हैं। संग्रह में लघु चित्र, कांस्य कृतियाँ, हाथीदांत, जेड, वस्त्र, हथियार और कवच, पत्थर की मूर्तियाँ, कांच के बने पदार्थ, चीनी मिट्टी के बर्तन और प्राचीन खिलौने शामिल हैं।

शाम को, हम हाई-टेक सिटी (साइबराबाद) के लिए उबर से गए। रास्ते में, एक कार हमारी कार से टकरा गई, जिससे उसे थोड़ा नुकसान हुआ, लेकिन शुक्र है कि हमें कोई नुकसान नहीं हुआ। हम शिल्पारामम गए, जो एक शिल्प गाँव और मूर्तिकला पार्क है, जहाँ पूरे भारत के हस्तशिल्प प्रदर्शित हैं। वहाँ की चहल-पहल वाली दुकानों में गहने, चूड़ियाँ, झुमके और भी बहुत कुछ बिक रहा था।

फिर हम दुर्गम चेरुवु गए, लेकिन वह बंद था। हमें बस खूबसूरत झील और आसपास के पार्क की एक झलक ही देख पाए। वापसी में, हमने भारतीय ध्वज के रंगों से जगमगाते केबल ब्रिज को पार किया। हाई-टेक सिटी रोशनी से जगमगा रही थी, ऊर्जा से गुलजार थी। यह पाँचवें दिन का एक बेहतरीन अंत था।

दिन 6 - अलविदा हैदराबाद (20/9/2024)

घर लौटने का समय हो गया था, लेकिन हमें कुछ जगहें देखनी बाकी थीं। सबसे पहले, हम बिरला परिवार द्वारा निर्मित बिरला मंदिर गए। यह एक भव्य संगमरमर का मंदिर है जिसमें भगवान विष्णु के दस अवतारों और रामायण के दृश्यों की नक्काशी है।

ऊपर से, हमें हैदराबाद का विहंगम दृश्य दिखाई दिया। दोपहर की धूप के कारण संगमरमर का फर्श बहुत गर्म था, लेकिन ठंडी हवा ने हमें इसे सहन करने में मदद

की। इसके बाद, हम पास के बिरला विज्ञान केंद्र गए। फिर, हम एनटीआर गार्डन गए, जहाँ एक बड़ी स्लाइड और एक टॉय ट्रेन थी-जो अब खंडहर में बदल चुकी है।

हमने पैराडाइज होटल में दोपहर का भोजन किया और चारमीनार में कुछ खरीदारी की। हम वहाँ योजना से ज़्यादा देर तक रुके और हमें जल्दी से हवाई अड्डे जाना पड़ा। ईश्वर की कृपा से, हम ठीक समय पर पहुँच गए। रात के लगभग 9 बजे, हम एरणाकुलम पहुँचे और सीधे कोट्टयम के लिए रवाना हुए।

यह यात्रा मेरे जीवन के सबसे यादगार और अभिलषित अनुभवों में से एक थी। हम सभी ने हर पल का आनंद लिया, और मैं हैदराबाद फिर से आना चाहूँगा।

प्रकृति की सुंदरता

हरी-भरी धरती है प्यारी

फूलों की खुशबू से भरी सारी

नदी बहती शांत सा गीत गाए

पेड़ हमें छाया और हवा मिलाए

सूरज की किरणें सुनहरी छाए,

चिड़ियों की चहचहाहट दिल को भराए

प्रकृति है जीवन का उपहार,

इसे बचाना है हमारा विचार



श्रेय पार्वती.आर

कक्षा XI

श्रीमती. अंजु एन नायर, कनिष्ठ लेखा अधिकारी
& श्री रंजितकुमार.वी.आर, कनिष्ठ इंजीनियर की सुपुत्री

बढ़ते हुए आतंकवाद को रोकने का उपाय

आतंकवाद आज की दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह न केवल किसी एक देश की समस्या है, बल्कि पूरी मानवता के लिए संकट का कारण बन चुका है। आतंकवाद का प्रभाव समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था और संस्कृति-सभी क्षेत्रों पर पड़ता है। निर्दोष लोगों की हत्या, डर और असुरक्षा का वातावरण तथा विकास की गति में रुकावट इसके मुख्य परिणाम हैं। इसलिए आतंकवाद को रोकने के उपायों पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है।



बिजु जोसफ पौवत्त
सहायक महाप्रबंधक

भारत में आतंकवाद की स्थिति

भारत भी आतंकवाद से अछूता नहीं है। भारत जैसा विविधतापूर्ण लोकतांत्रिक देश आतंकवाद की मार लंबे समय से झेलता आया है। जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों और कुछ समय समय पूर्व पंजाब में आतंकवाद ने समाज और राष्ट्र की शांति को गहरी चोट पहुँचाई। आतंकवाद केवल जान-माल की हानि ही नहीं करता, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास में भी बाधक बनता है। इसे रोकने के लिए संगठित प्रयासों की आवश्यकता है।

भारत में आतंकवाद की सबसे गहरी चोट जम्मू-कश्मीर में देखने को मिलती है, जहाँ दशकों से सीमा पार से आतंकियों को समर्थन दिया जाता रहा है। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के फाहलगाम के पास बाइसारन घाटी में आतंकवादियों ने एक भयंकर हमला किया। इस हमले में लगभग 26 लोग मारे गए और करीब 20 घायल हुए। हमलावरों ने यात्रियों से उनका धर्म पूछा और जो हिंदु या दूसरे धर्म के थे, उन्हें निशाना बनाया। यह हमला पर्यटकों पर हुआ, जो किक बिनाना किसी सुरक्षा की प्रक्रिया के मीड-फॉरमैट में घूम रहे थे।

2001 का संसद हमला, 2008 का मुंबई हमला और 2016 का उरी हमला आतंकवाद भयावहता को स्पष्ट करते हैं। इसके अलावा पूर्वोत्तर भारत में भी

वर्षों तक उग्रवादी गतिविधियाँ चलती रहीं, जिसने वहाँ के सामाजिक और आर्थिक जीवन को प्रभावित किया।

आतंकवाद क्यों बढ़ रहा है?

1. धार्मिक कट्टरता और गलत विचारधाराएँ - आतंकवादी संगठन युवाओं को भटकाकर हिंसा की ओर मोड़ देते हैं। धर्म के नाम पर लोग एक-दूसरे से लड़ाए जाते हैं।
2. गरीबी और बेरोजगारी - बेरोजगार और निराश युवक आतंकवादियों के जाल में आसानी से फँस जाते हैं। जिनके पास नौकरी या काम नहीं होता, वे ग़लत रास्तों पर भटक जाते हैं।
3. राजनीतिक स्वार्थ - कई बार राजनीतिक लाभ के लिए आतंकवाद को बढ़ावा दिया जाता है। कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं।
4. शिक्षा का अभाव - जब लोग पढ़-लिख नहीं पाते, तो सही और गलत की पहचान करना कठिन हो जाता है। अशिक्षा के कारण लोग सही-गलत में अंतर नहीं कर पाते और आतंकवाद के शिकार बन जाते हैं।
5. विदेशी प्रभाव - आतंकवाद को अक्सर बाहरी देशों से पैसा और हथियार मिलते हैं।

आतंकवाद रोकने के उपाय

1. राष्ट्रीय एकता और सद्भावना - आतंकवाद की सबसे बड़ी ताकत लोगों में आपसी विभाजन है। यदि नागरिक धर्म, जाति और भाषा से ऊपर उठकर एकजुट रहें तो आतंकवाद की जड़ें कमजोर होंगी। आतंकवाद तभी मजबूत होता है जब लोग धर्म, जाति या भाषा के नाम पर बंटे हों। यदि लोग आपसी भाईचारा और एकता बनाए रखें, तो आतंकवाद कमजोर पड़ जाएगा।

2. आधुनिक सुरक्षा और खुफिया तंत्र - ड्रोन निगरानी, आधुनिक हथियार और त्वरित सूचना तंत्र से आतंकियों को समय रहते रोका जा सकता है। आतंकवाद से निपटने के लिए आधुनिक सुरक्षा और खुफिया तंत्र बहुत महत्वपूर्ण हैं। ड्रोन और कैमरों जैसी तकनीक से आतंकवादियों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा सकती है। आधुनिक हथियार सुरक्षाबलों को तेज और प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम बनाते हैं। साथ ही, त्वरित सूचना तंत्र से खुफिया जानकारी समय पर मिलने पर हमलों को रोका जा सकता है।

3. युवा सशक्तिकरण - अशिक्षा और बेरोजगारी आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं। यदि युवाओं को शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर मिले तो वे हिंसा का रास्ता नहीं चुनेंगे। युवा अगर अशिक्षित और बेरोजगार रहेंगे, तो वे आतंकवाद और हिंसा की ओर आकर्षित हो सकते हैं। इसलिए युवाओं को अच्छी शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करना जरूरी है। जब युवा अपने जीवन में सकारात्मक दिशा देखेंगे, तो वे हिंसा या आतंकवाद का रास्ता नहीं अपनाएंगे। युवाओं का सशक्तिकरण सीधे देश की सुरक्षा और विकास से जुड़ा हुआ है।

4. धार्मिक और सांम्प्रदायिक सद्भाव - सभी धर्मों और समुदायों में भाईचारा व आपसी विश्वास कायम करना आवश्यक है। देश में सभी धर्मों और समुदायों के बीच आपसी भाईचारा और विश्वास बनाए रखना बहुत जरूरी है। जब लोग एक-दूसरे के धर्म और मान्यताओं का सम्मान करेंगे, तो सामाजिक तनाव और विवाद कम होंगे। धार्मिक और सांम्प्रदायिक सद्भाव से आतंकवाद और अहिंसा फैलाने वालों को मौका नहीं मिलेगा। इसलिए शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सबको मिलकर रहना चाहिए।

5. कड़े कानून और सुरक्षा व्यवस्था - आतंकवादियों पर सख्त कार्रवाई और आधुनिक तकनीक से लैस सुरक्षा बल उनकी गतिविधियों को रोक सकते हैं। आतंकवाद को रोकने के लिए कड़े कानून और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बहुत जरूरी हैं। आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई उन्हें डराती है और उनकी

योजनाओं को नाकाम करती है। आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित सुरक्षा बल उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हैं। इससे आतंकवादियों के हमलों को समय रहते रोका जा सकता है।

6. साइबर और वित्तीय नियंत्रण - आज आतंकवादी संगठन इंटरनेट और हवाला के ज़रिए धन और विचारधारा फैलाते हैं। इन पर सख्त नियंत्रण आवश्यक है। आज के आतंकवादी संगठन इंटरनेट और हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल कर पैसा जुटाते हैं और अपनी विचारधारा फैलाते हैं। इसलिए उनके इन स्रोतों पर कड़ा नियंत्रण रखना बहुत जरूरी है। साइबर निगरानी और वित्तीय नियंत्रण से उनके नेटवर्क और धन संचलन को बाधित किया जा सकता है। इससे आतंकवाद की योजना और विस्तार को समय रहते रोका जा सकता है।

7. अंतरराष्ट्रीय सहयोग - चूँकि आतंकवाद की जड़े अक्सर सीमाओं के बाहर होती हैं, इसलिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य देशों के साथ मिलकर आतंकवाद पर वैश्विक दबाव बनाना आवश्यक है। आतंकवाद अक्सर किसी देश की सीमाओं के बाहर से भी सक्रिय होता है। इसलिए इसे रोकने के लिए अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों, जैसे संयुक्त राष्ट्र, के साथ सहयोग करना जरूरी है। साझा प्रयास और वैश्विक दबाव से आतंकवादी समूहों की गतिविधियाँ कम की जा सकती हैं। इसका उद्देश्य आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर करना है।

8. जनजागरूकता - समाज के हर वर्ग को आतंकवाद के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। समाज के सभी लोग आतंकवाद के खतरों और इसके दुष्परिणामों के बारे में सचेत और जागरूक रहें। जब लोग सतर्क होंगे, तो वे संदिग्ध गतिविधियों की सूचना सुरक्षा एजेंसियों को दे सकेंगे। इससे आतंकवाद फैलाने वालों को रोकना आसान होगा। जनजागरूकता से समाज में सुरक्षा और एकता बनी रहती है।

उपसंहार

आतंकवाद का खात्मा केवल शक्ति से संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक एकता, शिक्षा, आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग समान रूप से जरूरी हैं। आतंकवाद को केवल पुलिस या सेना के बल पर नहीं रोका जा सकता। इसके लिए शिक्षा, रोजगार, सामाजिक एकता और मजबूत कानूनों का सम्मिलित प्रयास जरूरी है। यदि भारत शिक्षा, रोजगार और तकनीक के माध्यम से युवाओं को सही दिशा दे, और जनता आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़ी हो, तो निश्चय ही आतंकवाद की जड़ें हमेशा के लिए समाप्त की जा सकती हैं। जब समाज का हर नागरिक आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होगा, तभी इस वैश्विक समस्या का समाधान संभव होगा।

(हिंदी पखवाडा 2025 के दौरान आयोजित हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में
प्रथम पुरस्कार प्राप्त निबंध)

राजभाषा

देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी हमारी संघ सरकार की राजभाषा है। राजभाषा अधिनियम 1963 को और राजभाषा नियम 1976 को पारित किया गया था। राजभाषा नियम के अनुसार केरल 'ग' में आता है। राजभाषा अधिनियम के अनुसार धारा 3(3) के अधीन आनेवाले दस्तावेज़ द्विभाषी रूप में तैयार करके जारी करना है। इसका दायित्व इन मर्दों पर हस्ताक्षर करनेवाले पर निर्भर है। राजभाषा नियम 5 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में ही दिया जाना है। संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा के संबंध में है।

“ देवनागरी दुनिया की सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि है। “

बढते हुए आतंकवाद को रोकने का उपाय

आतंकवाद आज संपूर्ण विश्व के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। यह न केवल मानव जीवन के लिए खतरनाक है, बल्कि राष्ट्र की शांति, एकता और विकास के मार्ग में भी सबसे बड़ी बाधा है। निरपराध लोगों की हत्या, धार्मिक कट्टरता, आर्थिक शोषण, और भय का वातावरण- ये सभी आतंकवाद के दुष्परिणाम हैं। भारत जैसे विविधता से भरे देश के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। अतः आतंकवाद को रोकना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।



ज़रीना बीगम.आर
लेखा अधिकारी

आतंकवाद फैलने के कारण

आतंकवाद के फैलने के पीछे अनेक कारण हैं।

1. धार्मिक कट्टरता और गलत शिक्षा कुछ स्वार्थी लोग धर्म का गलत अर्थ समझाकर युवाओं को भडकाते हैं।
2. गरीबी बेरोज़गारी- जब युवा को सही अवसर नहीं मिलता, तब वह गलत रास्तों पर चल पड़ता है।
3. विदेशी हस्तक्षेप और सीमा पार से सहयोग- पड़ोसी देशों की नितियाँ और सहायता भी आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं।
4. तकनीक और सोशल मीडिया का दुरुपयोग- इंटरनेट के माध्यम से आतंकवादी संगठन युवाओं को आसानी से गुमराह करते हैं।

आतंकवाद को रोकने का उपाय

1. शिक्षा का प्रसार - सच्ची और नैतिक शिक्षा ही युवाओं को

सही शिक्षा दिखा सकती है।

2. रोज़गार के अवसर - सरकार को अधिक से अधिक रोज़गार उपलब्ध कराने होंगे ताकि युवा आतंकवाद की ओर आकर्षित न हों।
3. कड़ी सुरक्षा व्यवस्था- आधुनिक तकनीक और सशक्त सुरक्षा बलों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
4. अंतरराष्ट्रीय सहयोग - सभी देशों को मिलकर आतंकवाद के खिलाफ छोस कदम उठाने होंगे।
5. धर्म और समाज में जागरूकता- समाज में भाईचारा और सद्भाव का वातावरण बनाना आवश्यक है, जिससे आतंकवादी विचारधाराएं जड़ न पकड़ सकें।
6. कठोर दंड और कानून का पालन- आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

निष्कर्ष

आतंकवाद एक वैश्विक बीमारी है जिसे केवल सरकार ही नहीं बल्कि समाज और हर नागरिक को मिलकर समाप्त करना होगा। हमें यह समझना होगा कि आतंकवाद किसी धर्म या जाति से जुड़ा नहीं होता, यह केवल हिंसा और विनाश का प्रतीक है। शिक्षा, जागरूकता, सही सद्भाव और मज़बूत नीतियों के माध्यम से ही हम इस समस्या पर काबू पा सकते हैं। यदि सब लोग एकजुट होकर प्रयास करें तो निश्चय ही आनेवाला कल आतंकवाद मुक्त और शांतिपूर्ण होगा ।

(हिंदी पखवाडा 2025 के दौरान आयोजित हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में
द्वितीय पुरस्कार प्राप्त निबंध)

एक सफल सपना

पिछले साल अक्टूबर में कश्मीर घूमने का मेरा सपना साकार हुआ। 2 अक्टूबर, 2024 को मेरे पति, मेरे मित्र श्री एम.पी. श्रीकुमार, उनकी पत्नी तुलसी और मैं कश्मीर, जयपुर और पंजाब घूमने गए। 2 अक्टूबर को हमने यूटीएस ट्रेवल्स एजेंसी द्वारा चार्ट किए रूट पर एरणाकुलम से अपनी यात्रा शुरू की। एरणाकुलम से हम सीधे दिल्ली और वहाँ से श्रीनगर एयरपोर्ट पहुँचे। वहाँ अमीर ने हमारा स्वागत किया और एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराई गई कार में हमें होटल ले गए। पहले दिन हमने श्रीनगर के कुछ खूबसूरत बगीचों का दौरा किया और डल झील में शिकारे की सवारी की। झील के किनारे स्थित कुछ दुकानों का दौरा किया और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त किया। पहले दिन हम होटल वापस गए और रात के खाने के बाद अच्छी नींद ली। सुबह हमारी कार आई और हम सोनामार्ग के लिए रवाना हुए।

रास्ते में, अमीर भैया ने हमें हिंदी और अंग्रेज़ी में कश्मीर की पूरी तस्वीर दिखाई। उनके अनुसार, कश्मीर के पूरे मौसम का अनुभव करने के लिए हमें वहाँ चार बार यानी चार मौसमों में जाना होगा। क्योंकि ये चारों मौसम अलग-अलग एहसास देते हैं। सर्दियों में बर्फ़, बसंत में खिले फूल, गर्मियों में हरी-भरी हरियाली और पतझड़ के सुनहरे रंग। मार्च से मई तक बसंत ऋतु (ट्यूलिप का दृश्य), जून से अगस्त तक गर्मी, सितंबर-अक्टूबर फलों का समय होता है (सेबों से लदे पेड़ दिखाई देते हैं) और नवंबर से फरवरी तक चारों ओर बर्फ़ बिछी रहती है। सोनामार्ग घूमने के बाद हम गुलमार्ग गए। हमने गोंटोला ड्रिप के लिए टिकट बुक करवाए थे, लेकिन कुछ तकनीकी दिक्कतों की वजह से हम दूसरे चरण में नहीं जा पाए। हम वहाँ अपने सुरक्षा बलों से मिलने के लिए बहुत उत्सुक थे। इसलिए हम वापस लौट आए। यात्रा के दौरान आमिर ने पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) के कुछ इलाकों को भी दूर से दिखाया। कश्मीरी खाना बहुत अच्छा है। चाय भी कई तरह की मिलती है - नमकीन, मसाला, शहद वगैरह। फगलगाम की ओर जाते हुए हमने



बैट फैक्ट्री, चिनार के पेड़, केसर के खेत वगैरह भी देखे। बीच में हम सेव वैली भी गए। सेब का मौसम होने के कारण पूरे पेड़ पर सेबों का नज़ारा किसी सपने जैसा था। उसके बाद हम बेताब वैली, चंदनवाड़ी, अरु वैली, बैसन वैली आदि भी गए। हर तरफ हरियाली ही हरियाली थी। हमें घुड़सवारी का अनुभव भी मिला। हमें अमरनाथ की पहली सीढ़ी पर चढ़ने का भी मौका मिला।

घाटियों का दौरा करने के बाद हम कारगिल जाने का फैसला किया, जो हमारे टूर पैकेज में शामिल नहीं था। रास्ते में हमने उस जीरो पॉइंट का अनुभव किया जहाँ हर समय तापमान शून्य डिग्री ही रहता है। कारगिल घूमते हुए मुझे लगा जैसे वहाँ की हवा में भी **भारत माता की जय** गूंज रही हो। मैं ने केरल के वीर सपूतों मेजर उष्णिक्कृष्णन, प्रेम राज आदि के स्मारक भी देखे। उस समय हमारे वीर सैनिकों के लिए मेरा प्यार और गर्व और बढ़ गया।



शाम को जब हम होटल पहुँचे, तो व्हाट्सएप स्टेटस से पता चला कि रबर बोर्ड वाली हमारी प्रिय मित्र श्रीविद्या पास के ही एक होटल में हैं। मैंने अचानक उन्हें फ़ोन किया और दस मिनट में हम उनके होटल पहुँच गए। यह एक बहुत ही सुखद पारिवारिक मुलाकात थी।

चार दिन जल्दी ही बीत गए। 6 अक्टूबर की सुबह, अपने अगले दौरे के स्थान अमृतसर के लिए श्रीनगर हवाई अड्डे पर जाते समय, हम शंकराचार्य मंदिर गए। 300 से ज़्यादा सीढ़ियाँ चढ़ने के बाद हमें पूरे श्रीनगर का खूबसूरत नज़ारा देखने को मिला। यह सचमुच आश्चर्य की बात है कि केरल का यह संन्यासी इसने समय पहले वहाँ कैसे पहुँच गया। सेबों के अलावा, भारत के स्वर्ग से विदा होने से पहले हमने कुछ कश्मीरी कपड़े भी खरीदे।

श्रीनगर हवाई अड्डा सुरक्षा बलों के अधीन है जहाँ जाँच के लिए अधिक समय चाहिए। वहाँ से हम अमृतसर पहुँचे। सबसे पहले हम जलियाँवाला बाग देखने गए। अंग्रेजों की क्रूरता की जीवंत तस्वीरें आज भी वहाँ देखने को मिलती हैं। इतने वीरों के बलिदान के कारण ही हमें आज़ादी मिली। उसके बाद हम स्वर्ण मंदिर की ओर चल पड़े। चारों ओर पानी और बीच में गोल्डन टैंपिल एक यादगार नज़ारा था। गोल्डन टैंपिल देखने के बाद हम सीधे बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी (वाघा-अट्टारा सीमा समारोह) देखने गए। हर शाम, सूर्यास्त से पहले, सीमा औपचारिक रूप से बंद कर दी जाती है और दोनों देशों के राष्ट्रीय ध्वज सम्मानपूर्वक उतार दिए जाते हैं। सैनिकों का ज़ोरदार अभ्यास, देशभक्ति के नारे, राष्ट्रगान और सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी देशभक्ति को और बढ़ा रहे थे।



8 अक्टूबर को हम पंजाब से ट्रेन द्वारा भारत के पिंक शहर जयपुर गए। हवा महल, आमेर किला, लेक पैलेस आदि देखने के बाद हम होटल लौट आए। अगले दिन हमने आल्बर्ट हॉल संग्रहालय, नगर किला और जयगढ़ किला देखा। हमारा कार्यक्रम अगले दिन जयपुर से लौटने का था। लेकिन बीच में ही हमने इसे बदल दिया क्योंकि केरल से इतनी दूर आने के बाद अजमेर और पुष्कर देखे बिना जाना ठीक नहीं लग रहा था। दोपहर में हम कार से सीधे अजमेर गए जहाँ हमने रात में पूजा की। अगले दिन सुबह हमने पुष्कर मंदिर के दर्शन किए जो ब्रह्म देव का मंदिर है।

ट्रेन में लौटते हुए हमें लगा जैसे समय बहुत तेज़ी से बीत गया। लगभग दस दिनों तक हम किसी और ही दुनिया में थे। हमने सरकारी और घरेलू काम छोड़कर इस यात्रा का पूरा आनंद लिया था। फ़हालगाम वाली घटना हमारी यात्रा के लगभग एक महीने बाद हुई थी। फिर भी, मैं वहाँ एक बार फिर ट्यूलिप देखने जाने के लिए तरस रहा हूँ। आतंकवाद के बिना कश्मीर कितना अच्छा है जहाँ लोग शांति से रह सकते हैं। आमिर के शब्द मेरे कानों में गूँज रहे हैं - आतंकवाद के कारण उसकी पढ़ाई रुक गई और उसे आसानी से कोई नौकरी नहीं मिल पाई। उसे उम्मीद

है कि एक दिन यह आतंकवाद खत्म हो जाएगा। उसकी तरह, मुझे भी उम्मीद है कि एक दिन कश्मीर में शांति फैलेगी।

हमें कभी-कभी इस तरह की यात्रा का अनुभव अवश्य करना चाहिए, इससे हमें और ऊर्जा मिलेगी। हमें भारत में ऐसी सभी जगहों पर जाना चाहिए ताकि हम अपने देश की समृद्ध विरासत को देख सकें।

गीता.जी. पी
कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

कुछ पहेलियाँ

1. सागर है माता, सूरज पिता
झोपड़ी से महल तक नाता - नमक
2. हाथी को बाँधने तना है
पोटली के लिए पता नहीं - इमली का पेड़
3. जो भी खाए पच जाएगा
पानी पिए तो मर जाएगा - आग
4. सोते वक्त आँख नहीं मूँदता - मछली
5. नीचे पटको ऊपर जाता
ऊपर से नीचे आता - गेंद

संकलन

गीतु.एन

उपमंडल इंजीनियर

सरकारी कामकाज हिंदी में करते समय 'शब्दों के लिए अटकिए नहीं शैली के लिए रुकिए नहीं, अशुद्धियों के लिए घबराइए नहीं, अभ्यास के लिए झिझकिए नहीं', आप हिंदी जानते हैं, शुरु तो कीजिए'।

एक उत्कृष्ट कर्मचारी कैसा होना चाहिए

- समर्पण - सबसे पहले, एक कर्मचारी अपने काम के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित होना चाहिए जैसे एक कहावत है -
“कर्म ही आराधना (पूजा) है।” (Work is worship)
- पूर्णतावादी - कर्मचारी को हमेशा अपना कार्य सह समय पर पूर्ति करना चाहिए। कार्य को कभी भी स्थगित न करें।

“ कल करे सो आज कर

आज करे सो अब “

यह कबीर दास का एक प्रसिद्ध दोहा है कि हमें कभी भी किसी काम को कल पर नहीं टालना चाहिए।

- सामूहिक कार्य (सामूहिक संघ कार्य) - कार्यालय में मिलकर काम करने से कार्य अधिक कुशलता से पूरा होता है। इसलिए कहते हैं -

“ एकता शक्ति है, सहयोग शक्ति है “

(Unity is strength, Union is strength)

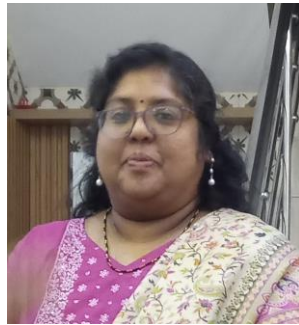
- विश्लेषणात्मक कौशल - विश्लेषणात्मक कौशल का अर्थ है, समस्या- समाधान- कौशल।

हर एक कर्मचारी को चाहिए कि वह, समस्या को गहराई से समझे और उसके कारणों का विश्लेषण करें। हर समस्या का समाधान हो सकता है जैसे कहते हैं

“ जहाँ चाह है, वहाँ राह है “

(Where there is a will, there is a way.)

- **समय का पाबंद** - यह एक महत्वपूर्ण गुण है। इसे सफलता की कुंजी माना जाता है। कार्यस्थल से लेकर व्यक्तिगत जीवन तक हर क्षेत्र में इसका महत्व है। समय की पाबंदी सिर्फ समय पर किसी स्थान पर पहुँचने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सही समय पर कार्रवाई करने तक भी है।



**नीतु प्रमोद,
पत्नी श्री प्रमोद के ईप्पन
लेखा अधिकारी**

'ग ' क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2025-26 का वार्षिक कार्यक्रम- नया निर्धारित लक्ष्य New prescribed targets in Annual Programme of 2025-26 for use of Hindi in 'C' Region			
क्रम सं SI No	कार्य विवरण Details of Work	' ग ' क्षेत्र के लिए निर्धारित लक्ष्य Targets for Region 'C'	
		2024-25	2025-26
1	हिंदी में मूल पत्राचार Original Correspondence in Hindi (Including E mail)		
	ग क्षेत्र से क क्षेत्र को /From C to A	55%	60%
	ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को/ From C to B	55%	60%
	ग क्षेत्र से क क्षेत्र को/ From C to C	55%	60%
	ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य /संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय / व्यक्ति/ From C to officers/individuals in States/ UTs of A & B region	55%	60%
2	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना / Letters received in Hindi to be answered in Hindi	100%	100%
3	हिंदी में टिप्पण /Noting in Hindi	30%	35%

दोस्त

दिल की गहराई में, दोस्तों के पन्नों में
सुनहरे अक्षरों में लिखा है तुम्हारा नाम, मेरे दोस्त
अक्सर याद आते हैं वो पल
जो हमने बिताए थे साथ में,

उन यादों की महक लाती है
होठों पर मुस्कुराहट
और आँखों में नमी,
और उनकी ताज़गी कर देती है मुझे चकित
क्योंकि लगता है जैसे कल की ही बात है।

कितने सुहावने थे हमारे बचपन के वो दिन
जब चिंता की जुर्रतभी नहीं थी कि
हमारे पास आये,
हम अपने ही घुन में मस्त से

अपनी ही दुनिया में व्यस्त थे,
ज़िंदगी के अहम पाठ हमने साथ में सीखें,
इस बीच हम कब बड़े हुए पता भी नहीं चला
ज़िंदगी की हकीकतें खींच गईं

नीता तोमस,
उपमंडल इंजीनियर



हमें अलग दिशाओं में,
और जीवन के उलझनों में
खो गई कहीं हमारी दोस्ती भी।
वैसे तो आज की दुनिया में

तुमसे फिर से संपर्क करना नामुमकिन तो नहीं
इंटरनेट की गहराई में
तुम भी कहीं न कहीं ज़रूर छिपी होंगी
पर झिझकती हूँ - क्या तुम्हारे लिए भी हमारी
दोस्ती अब भी वह मायने रखती है
लेकिन इस बात की उम्मीद भी है,
कि ज़िंदगी-जिसने हमें दोस्त बनाया था
और हमें अलग भी किया था,
वही हमें फिर से साथ ले आएगी।

The Call that never came.

Ravi sat by the window, his rice half-finished, eyes darting every now and then to the phone beside his plate. The afternoon sun painted long shadows across the living room, and the ceiling fan hummed with a kind of silence only loneliness could amplify.

"Acha, I'll call after lunch," Arjun had said that morning, his voice quick and casual, like all children who assume time is infinite.

It wasn't a special day...just another Monday. But for Ravi, any day his son called was special. Ever since Arjun moved to Bangalore for work, their calls had become the highlight of his days. A minute. Sometimes ten. But always enough.

Ravi cleaned his plate. Still no call. He switched on the news.

His heart sank before his mind could make sense of it.

"Breaking: Ahmedabad to Bangalore flight crashes minutes after takeoff. All passengers feared dead."

His mouth went dry. He blinked hard, waiting for the newsreader to correct herself. To say it was a minor incident. To say survivors had been pulled out. To say something...anything...other than the hollow truth.

He called Arjun. Switched off.

He called again. And again.

For a moment, he waited still. Maybe Arjun had missed the flight. Maybe he had rescheduled. Maybe he was already safe in Bangalore, trying to reach him.

But then came the knock.

Two airline officials. A photo ID. A long silence. An apology.

The call never came. Only the silence that followed.

And in that silence, Ravi sat every day after lunch, phone beside his plate, staring out the window...waiting for a voice that the skies had taken away.



Dr. Gayathri Sreekumar
D/o Sri Sreekumar K S
AGM(Mktg)

‘കുട്ടിയമ്മേ’

പകൽ വെളിച്ചം ഇടവിട്ട് കണ്ണിൽ തട്ടിയായിരുന്നു അന്ന് ഉറക്കമുണർന്നത്. ഇടതൂർന്ന റബ്ബർ മരങ്ങളും ജാതി തോട്ടങ്ങളും നിറഞ്ഞ വഴി. ബസ് സ്റ്റോപ്പിൽ ഇറങ്ങി ഞാൻ നടന്നു.. കളുത്തിപ്പറമ്പിൽ മാത്യു ഡേവിസ്.. എന്ന മാത്തച്ചൻറെ വീട്ടിലേക്ക്. തോട്ടത്തിനടിയിലേ ഇടവഴിയിലൂടെയായി നടപ്പ്. ഇടയ്ക്കിടെ പണിക്കുവന്ന ടാപ്പിംഗ് തൊഴിലാളികളെ കാണാം. വഴിക്കവസാനം മാത്തച്ചൻറെ വീട്ടിലെത്തി. ഇറയത്ത് ആരെയും കണ്ടില്ല. പതിയെ കോളിംഗ് ബെല്ലിൽ വിരലമർത്തി. "ആരാ കുട്ടിയമ്മേ അവിടെ ?" അകത്തു നിന്നും ഒരു പരുക്കൻ സ്വരം കേട്ടു. "ഞാൻ ബാബു.. മാത്തച്ചനെ ഒന്നു കാണാൻ വന്നതാ" "ഹ.. ഹ.. ഹാ.. അതിനാരുനോ.. ഇങ്ങ് പോരെന്നേ.. ഞാനിവിടെ ഉണ്ട്.." പ്രധാനവാതിലിലൂടെ ഞാൻ അകത്ത് കടന്നു. കാശിൻറെ പ്രൗഢി വിളിച്ചോതുന്ന അകം. അതങ്ങനല്ലേ വരു.. ഏക്കറുകണക്കിന് തോട്ടവും കൃഷിയുമൊക്കെയല്ലേ.. മാത്തച്ചൻ മുതലാളി എന്ന് പറഞ്ഞാലേ ആളെ ഇന്നാട്ടില് അറിയൂ. "എവിടെപ്പോയി.. കണ്ടില്ലല്ലോ..?" തെക്കേ മുറിയിൽ നിന്ന് വീണ്ടും ആ പരുക്കൻ സ്വരം കേട്ടു. ഞാൻ അകത്തേക്ക് ചെന്നു. കട്ടിലിനോട് ചേർന്ന് ചാറുകസേരയിൽ എൺപത് വയസോളം തോന്നിക്കുന്ന വൃദ്ധൻ. പ്രസന്നമായ മുഖം. തല മുഴുവനായും നരച്ചിരിക്കുന്നു. അങ്ങിങ്ങായി ഇടവിട്ട് പല്ലുകൾ കൊഴിഞ്ഞിട്ടുണ്ടെങ്കിലും ആ തലയെടുപ്പിനു കുറവുണ്ടായിരുന്നില്ല. "ഇങ്ങോട്ടിരിക്കേന്നേ.. " ചിരിച്ചു കൊണ്ട് അയാൾ പറഞ്ഞു. "കുട്ടിയമ്മേ.. ചായ ഇങ്ങെടുത്തോ. കൂടെ വട്ടയപ്പോം.." അകത്തേ മുറിയിലേക്ക് നോക്കി ഒരു കള്ളച്ചിരിയോടെ പറഞ്ഞ വൃദ്ധനെ കണ്ട് എനിക്കും ചിരിവന്നു. "ഇവൾടെ വട്ടയപ്പത്തിന് എന്നാ ഡിമാൻറെ.. അല്ലിയോടീ" "എങ്ങനൂണ്ട് മാത്തച്ചോ.. ആരോഗ്യമൊക്കെ..?" ചാറുകസേരയ്ക്ക് അഭിമുഖമായിരുന്ന് ഞാൻ ചോദിച്ചു. "ഓ.. എന്നാ പറയാനാ.. കർത്താവിൻറെ കൃപ കൊണ്ട് ഇങ്ങനെ പോണു.. ഇതുവരെ മേലായ്ക ഒന്നും വന്നിട്ടില്ല.." സ്വല്പം ഗമയിൽ മാത്തച്ചൻ പറഞ്ഞു. അവളെ പോലും ഞാനല്ലേ നോക്കുന്നേ..

പണ്ടൊക്കെ ഞങ്ങൾ വൈനേരം ആവുമ്പോ തൊടിയിലൂടെ നടക്കും.."
 "ഇപ്പോ വിളിച്ചു അവക്കൊണ്ടോ മൈൻഡ്.. എന്നാ ഗമയാനോ..
 മുട്ടുവേദന.. നടുകഴപ്പ് എന്നിങ്ങനെ ഇല്ലാത്ത ദീനം ഒന്നുവില്ല.."
 പിണക്കം നടിച്ചു മാഞ്ഞുവെക്കുക അകത്തേക്ക് നോക്കി.
 അകത്ത് നിന്നും ശബ്ദം ഒന്നും കേട്ടില്ല.
 "ഓ.. നിനക്ക് ഇഷ്ടപ്പെട്ടില്ല അല്ലിയോ ?"
 "ഇവൾ അല്ലേലും ഇങ്ങനാ..
 ഇച്ചിരിപോന്ന കാര്യം മതിനേ പെണങ്ങാൻ..
 ഹ ഹ ഹാ..
 മാഞ്ഞുവെക്കുന്ന വീരകഥകൾ കെട്ടിരിയ്ക്കെ മുറ്റത്ത് നിന്ന് ഒരു ഹോണി ശബ്ദം
 കേട്ടു.
 ഞാൻ പതിയെ പുറത്തേക്ക് ചെന്നു.
 മാഞ്ഞുവെക്കുന്ന മകൻ ബെന്നി ഡോർ തുറന്ന് പുറത്തേക്കിറങ്ങി.
 അമ്പത് വയസ്സോളം തോന്നിക്കുന്നു.
 മുമ്പ് ഫോണിൽ സംസാരിച്ചപ്പോൾ ഒരു ധനാധ്യനായ അച്ഛന്റെ രൂപം
 മനസ്സിലുണ്ടായിരുന്നു.
 ഏകദേശം അതുപോലെ ഒരാൾ.
 "ഹാ.. ബാബു ഡോക്ടറെപ്പോ വന്നു..?"
 "ഞാനെന്ന് പള്ളിയിൽ പോയേക്കുവാറുന്നു..
 "കുറച്ചു നേരമായി.. ഞാൻ അപ്പച്ചനോട് സംസാരിച്ചിരിക്കുവാറുന്നു..
 അയാൾക്ക് കൈകൊടുത്തുകൊണ്ട് ഞാൻ പറഞ്ഞു.
 "ഡോക്ടർ ഇരിക്ക്.. നമുക്ക് വിശദമായി സംസാരിക്കാം."
 തടികൊണ്ട് നിർമ്മിതമായ സെറ്റിയിൽ അഭിമുഖമായി ഞങ്ങളിരുവരും ഇരുന്നു.
 "എങ്ങനെയുണ്ട് ഡോക്ടറെ..?
 ആശുപത്രി ആക്കാനാ ഇവിടെല്ലാരും പറയുന്നു..
 നോക്കാൻ ഇവിടെ ആർക്കോ നേരം..?
 "അപ്പോ.. നിങ്ങളുടെ അമ്മച്ചി ?"
 തെല്ലൊരളുത്തത്തോടെ ഞാൻ ചോദിച്ചു.
 "അമ്മച്ചി പോയിട്ട് കൊല്ലം പത്തിരുപതായി.. അപ്പച്ചൻ അവരെപ്പറ്റി മാത്രേ
 പറയാറുള്ളൂ..
 "എടക്ക് നമ്മൾ എവ്വേലും പോവാൻ ഇറങ്ങുമ്പോ കുപ്പായം ഇട്ട് ഇറങ്ങും..
 എന്നിട്ട് അമ്മച്ചിയെ കാത്ത് നിൽക്കും..
 എന്നാ പണിയാനോ ഒന്ന് തിരിച്ച് കേറ്റിവിടാൻ..
 അയാളുടെ സംസാരത്തിൽ അവജ്ഞ പ്രകടമായിരുന്നു.
 "വല്ലാത്ത ശല്യം ആവുമ്പോ എന്റെ കെട്ടിയോളം വല്ലോം ഒക്കെ പറയും..
 അന്നേരം മൊബോം വീർപ്പിച്ച് തിരിച്ച് കേറി പോണ കാണാം..
 കുറച്ചു നേരത്തെ നിശബ്ദതക്ക് ശേഷം അയാൾ ആരാഞ്ഞു.
 "ഡോക്ടർ പറ..
 എത്രയാവും മാസച്ചെലവ്..?"
 "എത്ര വേണേലും തരാം.."

"ഈ ഓർമ്മക്കുറവ് കൊണ്ടു സ്ഥലത്തെ ഡോക്ടർമാരെ കാണിച്ചു.."
 "ഡിമെൻഷ്യാനോ അൽഷിമേഴ്സുനോ.. ഒക്കെയാണ് പറയുന്നേ.."
 "നമ്മളെ കൊണ്ട് ഇത് നോക്കലൊന്നും നടക്കുമെന്നേ.."
 "അതാ അപ്പച്ചനെ ഒന്ന് നോക്കാൻ ഡോക്ടറെ വിളിച്ചു."
 ആ സംഭാഷണം എന്നെ അലട്ടിത്തുടങ്ങിയിരുന്നു.
 "അതിനെപ്പറ്റി പിന്നൊരിക്കൽ സംസാരിച്ചാൽ പോരേ..?"
 ഞാൻ മെല്ലെ ചോദിച്ചു.
 "ഓ.. മതി..
 വിശദവിവരങ്ങൾക്കായി ഞങ്ങൾ ഒരു ദിവസം ക്ലിനിക്കിലേക്ക് വരാം.
 അന്നേരം പറഞ്ഞാ മതി."
 അയാളുടെ പറച്ചിൽ എന്നെ അതഭൂതപ്പെടുത്തിയില്ല.
 എന്നും ഇങ്ങനെ ഓരോരുത്തരെ കാണുന്നോണ്ടാവും.
 "ഞാൻ ഇനിയൊരിക്കൽ വരാം.."
 എന്ന് മാത്രം പറഞ്ഞു കൊണ്ട് തെക്കേ മുറിയിലേക്ക് ഒന്ന് എത്തിച്ചു
 നോക്കിയിട്ട് ഞാൻ പതിയെ പുറത്തേക്ക് നടന്നു.
 തോട്ടത്തിനിടയിലൂടെയുള്ള വഴിയിലൂടെ നടക്കുമ്പോൾ നീട്ടിയുള്ള ആ
 വിളികേട്ടു ഞാൻ തിരിഞ്ഞുനോക്കി.
 "കുട്ടിയമ്മേ... ചായ ഇങ്ങെടുത്തോ. കൂടെ വട്ടയപ്പോം.."
 വീട്ടുവാതിൽക്കൽ ഭിത്തിയിൽ തൂക്കിയിരുന്ന കുട്ടിയമ്മയുടെ ചിരിച്ച ചിത്രം
 എന്നെ നോക്കുന്നുണ്ടായിരുന്നു.

Dr. Gayathri Sreekumar
 D/o Sri Sreekumar K S
 AGM(Mktg)

गुरु का महत्व (कबीरदास का वचन) - ``गुरु गोविंद दोनों खड़े, काके लागूँ पाँव” जब गुरु और गोविंद दोनों एक ही स्थान पर, एक ही समय में दर्शन दे दें तो एक समस्या, एक उलझन खड़ी हो जाती है। समस्या तो यह है कौन अधिक पूज्य हैं। “बलिहारी गुरु आपकी गोविंद दियो बताय “ लेकिन कबीर ने समाधान भी दिया है कि गुरु ही अधिक महान है क्योंकि वे हैं हमें गोविंद की पहचान कराई है, उन्हें देख पाने की दृष्टि प्रदान की है।

തുമ്പിയുടെ നിമിഷം

കുഞ്ഞി തുമ്പി -
അതിനൊരു കുഞ്ഞി തണ്ടു മതി
ഇരിക്കാൻ,
അല്ലെങ്കിലൊരു ഇലയുടെ അറ്റമോ,
പൂവിന്റെ നേരിയ ഭാഗമോ പോലും

കനൽച്ചുവപ്പിന്റെ
ചിറകുകൾ അത്രമേൽ നേർത്തത് -
കണ്ണുകളോ -
ഈ വിശ്വത്തിന്റെ അപാരത
ആകെ നിറച്ചതും!



എത്ര പാറി പറന്നെന്നോ -
നെൽവയലിലൂടെ,
നീർത്തടങ്ങളിലൂടെ,
പിന്നെയീ പൂവനത്തിലും...

എത്ര കാതം... എത്ര കാഴ്ചകൾ...
എങ്കിലും -
ഇന്നെന്റെ കുഞ്ഞു
പൂച്ചെടിതുമ്പത്ത്
തലച്ചെരിച്ച്,

എന്നെയതൊന്നു നോക്കി,
എത്ര നേരം,
നിശ്ചലമായി...
സമയത്തെയും മറന്ന്!

ശ്രീമതി.ദിവ്യ.എസ്
സബ് ഡിവിഷണൽ എഞ്ചിനീയർ

ഒരു വിത്ത്

(The Sacred Humility of Becoming)

ഒരു വിത്ത് -
അതിനോളം നിഗൂഢമായി
എന്നുണ്ടീ ഭൂമിയിൽ?

അതിനോളം വിനയവുമുള്ള
ആരുണ്ടീ വിശ്വത്തിൽ?

ജന്മം കിട്ടുന്നതെവിടെയോ,
മുളപൊട്ടുന്നത് മറ്റൊവിടെയോ -
കാറ്റിനൊപ്പമോ,
കിളികൾക്കൊപ്പമോ,
എങ്ങോട്ടെന്നറിയാതെ
ഒരു യാത്ര...

ആരും അറിയാതെ,
ആരാലും കരുതാതെ,
മണ്ണിനടിയിലോ
പൊതയിട്ട കരിയിലക്കൂട്ടത്തിലോ
ഒരു കാത്തിരിപ്പ്...

ഒരുതുള്ളി മഴയ്ക്ക് വേണ്ടി
ദീർഘമായ മൗനം.
കാറ്റൊന്നു തഴുകിയാൽ
പോലും,
പുതിയൊരു ആകാശം
തേടാൻ
ഉള്ളിൽ വെമ്പൽ.

ഒരാൽമരത്തെ
ഉള്ളിലൊളിപ്പിച്ചാലും,
ഒരു പുൽക്കൊടി
വിത്താണെങ്കിലും
അവയൊക്കെ -
ഒരുപോലെയല്ലേ?



ശ്രീമതി.ദിവ്യ.എസ്
സബ് ഡിവിഷണൽ എഞ്ചിനീയർ

The wind

The sun kissed the sea.
And from that golden hush,
the wind was born—
a breath between warmth and wave,
between light and longing.

It loops, it spirals,
growing larger with each turn,
never lost, only becoming.

It does not walk in straight lines—
life never does.
It dances, returns,
gathers joy, carries sorrow.

In the path,
it paints the horizon
with clouds and rainbows—
and carries the rain along,
to nourish the life around

But not all is soft—
Sometimes it roars.
It twists, it turns,
it breaks the wrong
to maintain balance.

It shakes loose the dried branches,
lifts dust from forgotten roots,
pushes heavy skies to weep,
so green may rise again.

Rain that falls like memory,
soft as a whisper,
or fierce like truth.

It waters the forgotten,
washes the heavy,
sings lullabies on rooftops
and weeps gently on dry earth.

And quietly, endlessly...
it touches each and every soul.
It hears every heartbeat,
syncing the beat with
the symphony of life
the symphony of nature.

Smt.Divya.S

Sub Divisional Engineer(Computer)



हमारे बीए से अक्टूबर 2024 से सितंबर 25 तक सेवानिवृत्त
अधिकारी और कर्मचारी



नवंबर 2024 को सेवानिवृत्त श्रीमती.अच्चाम्मा जोस, वरिष्ठ लेखाकार



जनवरी 2025 को सेवानिवृत्त श्रीमती.ललिता.पी.आर, सहायक दूरसंचार तकनीशियन



2025 अप्रैल को सेवानिवृत्त श्री.एन.कृष्णकुमार, लेखा अधिकारी और श्री.राधाकृष्णननायर टी आर, कनिष्ठ इंजीनियर



2025 मई को सेवानिवृत्त श्री.श्रीकुमार.एम.पी, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक; श्री.जोण मात्यु, कनिष्ठ इंजीनियर; श्री मात्यु वर्गीस, कनिष्ठ इंजीनियर; श्री जोण के एम, दूरसंचार तकनीशियन



हिंदी पखवाडा 2024



नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित संयुक्त हिंदी सप्ताह के अवसर पर देशभक्ति गीत में प्रथम पुरस्कार प्राप्त टीम हिंदी कर्मियों और निर्णायकों के साथ

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित संयुक्त हिंदी सप्ताह की प्रतियोगिताओं के विजेता

1. श्रीमती.नीता तोमस, हिंदी कवितालापन, द्वितीय पुरस्कार
2. श्री.बिजु जोसफ पौवत्त, हिंदी गीत, द्वितीय पुरस्कार
3. श्रीमती दिव्या मात्यु, हिंदी गीत, द्वितीय पुरस्कार
4. श्री.के.के तोमस, स्मरणशक्ति,विशेष पुरस्कार
5. श्रीमती ज़रीना बीगम.आर, श्रीमती.आन्सीमोल डानियल,श्रीमती.दिव्या मात्यु, श्री.मोबीमात्यु पणिक्कर, श्री बिजु जोसफ पौवत्त, श्री.अनीष सी जनन- देशभक्ति गीत, प्रथम पुरस्कार - सभी को बधाइयाँ।



नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति
द्वारा बच्चों के लिए आयोजित
प्रतियोगिताओं के विजेता- हार्दिक
बधाइयाँ।

कुमारी.आराधना.आर-
कवितालापन- द्वितीय पुरस्कार
कहानी सुनाना- द्वितीय पुरस्कार
सुपुत्री.श्री.रेनी.टी.रमणन,
कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी



केरल परिमंडल में कैटगरी । ग्राहक सेवा केंद्रों में से कोट्टयम सीएससी को स्वर्णा पुरस्कार -
श्री.जी.सुनिलकुमार, मुख्य महाप्रबंधक,केरल से श्री.जी. एन. होवाल, प्रधान महाप्रबंधक, कोट्टयम
स्वीकार करते हैं



बीएसएनएल कोट्टयम के लिए गर्व का पल Proud moment for BSNL Kottayam.
 Sri.PRASANTH .K.P, JTO (Computer) receiving award from Sri.Sunilkumar.B, CGMT Kerala for his exemplary efforts in developing, implementing and maintaining the MM Flow Manager Portal of Kerala Circle. This portal has enhanced the work efficiency and output of the units involved in MM Process like the PR/PO/Invoice processing etc. The portal has been in operation since July 2024. Congratulations.

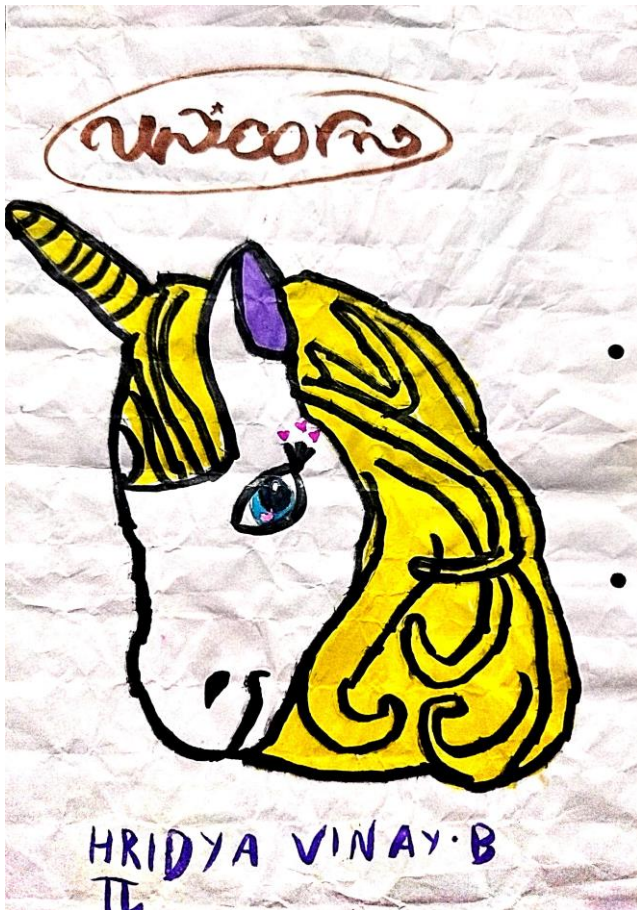




हिंदी पखवाडा समापन समारोह 2024



पेयिंटिंग
कुमारी शिवानी विपिन
XII कक्षा,
केंद्रीय विद्यालय,
कडुतुरुत्ती
सुपुत्री, श्री विपिन मोहन
कनिष्ठ इंजीनियर



कुमारी.हृदया विनय, द्वितीय कक्षा
सुपुत्री, श्रीमती.गीतु.एन
उपमंडल इंजीनियर



श्रीमती दिव्या.एस,
उपमंडल इंजीनियर(कंप्यूटर)



Congratulations. Kum.Mahalakshmi B Nair, D/o Sri,Sreekanthu P S, SDE(Electrtical) won Bharatanatyam (HSS) Mohiniyattam.(HSS) A Grade in the State School Kalolsavam 2025 held at Thiruvananthapuram from 2025 Jan 4 to 8.

बीएसएनएल कोट्टयम की ओर से हार्दिक बधाइयाँ।



पेंटिंग - मास्टर. इम्मानुवल प्रमोद,
श्री प्रमोद के ईप्पन, लेखा अधिकारी
का सुपुत्र

